MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 01 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-210

मोदी गाली नादानी

बच्चों से हो गई भूल! इनका माई देई दो!!

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान कथित अभद्र टिप्पणियों के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह उन्हें गालियां देने वाले युवाओं को माफ करते हैं। उन्होंने समाज से भी अपील की कि गुमराह युवाओं को दंडित करने के बजाय उन्हें सही मार्ग दिखाने का प्रयास किया जाए।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, आज मन करता है कि बस आपसे ही बातें करूं। जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसे देश और दुनिया ने देखा। कुछ शरारती बच्चों ने ऐसी भाषा का प्रयोग किया, जो किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। मुझे गालियां दी गईं, मेरी स्वर्गीय माता के बारे में भी अपमानजनक बातें कही गईं।

बच्चों को राह दिखाना हमारा दायित्व: पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बचपन में गलतियां होना स्वाभाविक है और उसी समय सुधार का अवसर भी होता है। उन्होंने कहा कि समाज में इस घटना को लेकर जो आक्रोश है, उसे वह समझते हैं, लेकिन युवाओं को दंडित करने के बजाय उन्हें सही दिशा देना अधिक आवश्यक है।उन्होंने कहा, समय है कि इन बच्चों को गले लगाकर उन्हें राह दिखाई जाए। ये गुमराह बच्चे हैं। इन्हें सजा देना, अदालतों के चक्कर कटवाना या समाज में प्रताड़ित करना समाधान नहीं है। मैं उन्हें माफ करना चाहता हूं और समाज से भी मेरी इस भावना को स्वीकार करने की अपील करता हूं।

दांत और जीभ दोनों अपने हैं

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दांतों के बीच जीभ आ जाने से चोट लग जाती है, लेकिन कोई अपने दांत नहीं तोड़ता क्योंकि दांत और जीभ दोनों अपने ही होते हैं।उन्होंने कहा, ये बच्चे भी हमारे हैं। उन्हें सही राह दिखाना हमारा कर्तव्य है। गुमराह लोगों को सही दिशा देना कठिन जरूर है, लेकिन यही कठिन कार्य हमें करना है।

देश निर्माण में युवाओं को साथ आने का आह्वान

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से देश के विकास में सहभागी बनने की अपील करते हुए कहा, आओ, हम सब मिलकर देश को आगे बढ़ाएं। गलतियों से सीखें, अपने सपनों को साकार करें। देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और आपका भविष्य भी उज्ज्वल हो, यही मेरी कामना है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करता हूं।

जंतर-मंतर प्रदर्शन से जोड़कर देखा जा रहा है बयान

प्रधानमंत्री का यह वीडियो संदेश जंतर-मंतर पर हाल में हुए प्रदर्शन के दौरान कथित अभद्र टिप्पणियों से जोड़कर देखा जा रहा है। इस मामले में 25 वर्षीय रुचिका सिंह के खिलाफ नोएडा में दर्ज जीरो एफआईआर को आगे की जांच के लिए दिल्ली स्थानांतरित किया गया है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को लेकर व्यापक बहस छिड़ी हुई है।

23 जुलाई के प्रदर्शन के बाद सामने आया था वीडियो

यह मामला 23 जुलाई 2026 का है, जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर कथित नीट पेपर लीक के विरोध में बड़ी संख्या में छात्र और युवा प्रदर्शन कर रहे थे।

▶8 पर

बॉर्डर पर वसूली : निलंबन रिपोर्ट

ख़बर से हड़कंप !

कामारेड्डी, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा स्थित सलाबतपुर आबकारी चेकपोस्ट पर कथित अवैध वसूली का विडियो वायरल पर मामला अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। हिंदी भाषा में सबसे पहले

शुभ-लाभ हिंदी समाचार पत्र द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने पर और अन्य मिडिया संस्थानों में खबर के बाद आबकारी विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, संबंधित कांस्टेबल सुधाकर रेड्डी के निलंबन के लिए जिला आबकारी नोडल अधिकारी को रिपोर्ट भेज दी गई है। अंतिम प्रशासनिक आदेश सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाना शेष है। और इसी क्रम में स्थानीय आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने प्रेसवार्ता कर पूरी घटना पर विवरण देकर मामले की जांच पर जानकारी दी । सूत्रों के अनुसार, अब जांच केवल वायरल वीडियो तक सीमित नहीं है। विभाग इस पूरे घटनाक्रम की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है। जांच का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि क्या कथित अवैध वसूली केवल एक कर्मचारी तक सीमित थी, या इसके पीछे कोई संगठित तंत्र कार्य कर रहा था।

जांच में कई महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर तलाशे जा रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से यह देखा जा रहा है कि कथित वसूली कब से चल रही थी, किन-किन कर्मचारियों की ड्यूटी इस चेकपोस्ट पर रही, किस कर्मचारी की क्या भूमिका थी, कथित रूप से वसूली गई राशि किसके पास जाती थी और क्या किसी वरिष्ठ अधिकारी को इसकी जानकारी थी। विभाग इन सभी पहलुओं की पड़ताल कर रहा है।

प्रारंभिक आरोपों के अनुसार, मालवाहक वाहनों से कथित रूप से 200 प्रति वाहन लिए जाने का दावा किया गया है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि विभागीय जांच पूरी होने के बाद ही होगी। इसी कारण विभाग रिकॉर्ड, ड्यूटी रोस्टर, संबंधित कर्मचारियों के बयान और उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों का परीक्षण कर रहा है।

शुभ-लाभ हिंदी समाचार पत्र ने शुरुआत से ही यह सवाल उठाया था कि यदि सीमा चेकपोस्टों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत है, तो कथित अवैध वसूली की शिकायतें सामने कैसे आईं?

▶8 पर

सीएस संजय जाजू ने दिये निर्देश

एक मेट्रो टिकट बस

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय जाजू ने हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआरएल) के यात्रियों के लिए यात्रा को अधिक सुरक्षित, आसान और आरामदायक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। तेलंगाना सचिवालय में आयोजित एचएमआरएल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने यह समीक्षा की। एचएमआरएल बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में मुख्य सचिव द्वारा मेट्रो विकास कार्यों की यह पहली समीक्षा बैठक थी।

सिंगल टिकट और एकीकृत मोबिलिटी ऐप पर जोर

बैठक में मुख्य सचिव ने मेट्रो और टीजीएसआरटीसी जैसी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं के बीच एक समान मोबिलिटी टिकट प्रणाली लागू करने का सुझाव दिया, ताकि यात्री एक ही टिकट पर दोनों माध्यमों से यात्रा कर सकें। उन्होंने अधिकारियों को टीजीए-सआरटीसी के साथ चर्चा कर एक साझा मोबाइल ऐप विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, यात्रियों की सुविधा के लिए दैनिक , साप्ताहिक और मासिक मेट्रो पास शुरू करने के विकल्पों पर विचार करने को कहा गया है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए नए मेट्रो डिब्बों की खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी जारी किए गए। हैदराबाद मेट्रो फेज-1 को एलएंडटी से अधिग्रहित करने की प्रक्रिया में केंद्र से आईआरएफसी ऋण (13,600 करोड़ रुपये) के लिए एनओसी न मिलने के कारण राज्य सरकार अब वैकल्पिक वित्त पोषण विकल्पों पर विचार कर रही है।

▶8 पर

पप्पू पुजारी

राहुल ने दान पात्र में डाले पैसे, चंदा चोरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
संसद परिसर में बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का अनोखा रूप देखने को मिला। वह पुजारी के वेश में जमीन पर बैठे नजर आ रहे थे। उनके बगल में दान पात्र रखा हुआ था और राहुल गांधी उसमें पैसे डालते नजर आ रहे थे। वहीं, उनके पीछे मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद दिख रहे थे और उनके हाथ में अमित शाह संसद से गायब क्यों वाला पोस्टर दिख रहा था। बता दें कि विपक्षी सांसदों ने आज संसद में विरोध के दौरान एक शॉर्ट प्ले किया। इसमें सांसद पप्पू यादव पुजारी बनकर आए। राहुल गांधी ने भी चंदा दानपात्र में डाला और पुजारी अयोध्या सांसद के पैर छूते दिखाई दिए। फिर पुजारी बने पप्पू यादव दानपात्र लेकर भाग गए। दरअसल, इस वीडियो में अयोध्या के राम जन्मभूमि से कथित चढ़ावा चोरी को दिखाया गया है। बता दें कि पप्पू यादव पिछले दिन भी संसद भवन के बाहर घायल और लाठीचार्ज के शिकार व्यक्ति का भेष धारण करके एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में यह प्रदर्शन किया था। इससे पहले भी एक शिक्षक के रूप में स्कूल पहुंच गए थे पप्पू यादव। बता दें कि इससे पहले भी मई 2026 में वे पूर्णिया के जलालगढ़ स्थित एक निजी स्कूल में एक शिक्षक की तरह कक्षा में पहुंच गए थे और बच्चों को नैतिकता व जीवन के उद्देश्य का पाठ पढ़ाया था। उन्हें देखकर वहां के शिक्षक और बच्चे भी हैरान रह गए थे। पप्पू यादव ने अब तक 6 बार लोकसभा चुनाव जीता है।

▶8 पर

आपसी सहमति को सुप्रीम मंजूरी

उमर अब्दुल्ला-पायल तलाक

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी अलग रह रही पत्नी पायल अब्दुल्ला का करीब 17 वर्ष पुराना वैवाहिक विवाद अब आधिकारिक रूप से समाप्त होने जा रहा है। दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से तलाक लेने तथा एक-दूसरे के खिलाफ लंबित सभी कानूनी मामलों को वापस लेने की जानकारी दिए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले का निस्तारण करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि दंपति ने आपसी मतभेदों का सौहार्दपूर्ण समाधान कर लिया है।

उन्होंने अदालत से कहा कि दोनों ने अपने-अपने जीवन में आगे बढ़ने का निर्णय लिया है। दोनों ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत 22 जुलाई को आपसी सहमति से विवाह समाप्त करने की संयुक्त याचिका दाखिल की है। इस पर न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि अदालत समझौते की शर्तों के अनुरूप उचित आदेश पारित कर मामले का निस्तारण करेगी। उमर अब्दुल्ला और पायल अब्दुल्ला की मुलाकात दिल्ली के ओबेरॉय होटल में कार्य करने के दौरान हुई थी। इसके बाद वर्ष 1994 में दोनों ने विवाह किया। इस दंपति के दो पुत्रज़ाहिर और जमीरहैं। हालांकि वर्ष 2009 से दोनों अलग-अलग रहने लगे थे और वर्ष 2011 में उमर अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से अपने वैवाहिक संबंध समाप्त होने की घोषणा की थी। इसके बाद दोनों के बीच तलाक और अन्य कानूनी

▶8 पर

अंकित शर्मा को इंसाफ

ताहिर हुसैन समेत पांच को उम्रकैद

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
दिल्ली दंगों के दौरान आईबी (इंटेलिजेंस ब्यूरो) अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के बहुचर्चित मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने पूर्व एमसीडी पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को हत्या सहित कई गंभीर आरोपों में दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। करीब छह वर्ष तक चली सुनवाई, गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट तथा अन्य साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया।

अदालत ने ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या), धारा 363 (अपहरण) तथा धारा 147 (दंगा) सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत दोषी माना। शुक्रवार को सजा पर सुनवाई के दौरान अभियोजन और बचाव पक्ष ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं, जिसके बाद अदालत ने अंतिम फैसला सुनाया।

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने अदालत से सभी पांच दोषियों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। अभियोजन पक्ष का कहना था कि अंकित शर्मा पर अत्यंत क्रूर तरीके से हमला किया गया था। हालांकि अदालत ने सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। अंकित शर्मा इंटेलिजेंस ब्यूरो में सुरक्षा सहायक के पद पर कार्यरत थे और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहते थे। 25 फरवरी 2020 को वह घर से कुछ घरेलू सामान लेने निकले थे, जिसके बाद लापता हो गए। अगले दिन उनका शव खजूरी खास नाले से बरामद हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उनके शरीर पर धारदार हथियारों से किए गए अनेक घाव मिले थे।

▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 24°

भारतीय सैन्य ठिकानों की वीडियो रिकॉर्डिंग

पाक ड्रोन मार गिराया

जम्मू, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के खौर सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से भेजे गए एक संदिग्ध निगरानी ड्रोन को मार गिराने में सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई चकला गांव के निकट उस समय की गई, जब ड्रोन भारतीय सेना के महत्वपूर्ण रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास मंडरा रहा था। सेना के अनुसार बरामद ड्रोन चीन में निर्मित है और इसे कथित रूप से निगरानी मिशन के लिए संशोधित किया गया था। ड्रोन के साथ 64 जीबी क्षमता का माइक्रो एसडी कार्ड भी बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में मेमोरी कार्ड में भारतीय सेना के संवेदनशील सैन्य ठिकानों से संबंधित वीडियो और तस्वीरें मिलने की बात सामने आई है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले

की गहन जांच कर रही हैं। यह घटना भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिए कथित जासूसी की बढ़ती चुनौती को एक बार फिर उजागर करती है। खौर सेक्टर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकट स्थित अत्यंत संवेद-नशील क्षेत्र है, जहां सुरक्षा व्यवस्था हर समय हाई अलर्ट पर रहती है। सेना के अनुसार जैसे ही ड्रोन को महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास उड़ते हुए देखा गया,

▶8 पर

कुलगाम में आतंकी हमला

दो गैर-स्थानीय मजदूरों को मारी गोली

कुलगाम, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
जम्मू-कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित कुलगाम जिले के केल्लाम इलाके में शुक्रवार शाम आतंकियों ने दो गैर-स्थानीय मजदूरों पर गोलीबारी कर दी। इस आतंकी हमले में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकियों ने केल्लाम क्षेत्र में दो गैर-स्थानीय मजदूरों को निशाना बनाया।

▶8 पर

जय किसान-जय जवान

पीएम सम्मान निधि को नई मंजूरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में किसानों, खिलाड़ियों और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें सबसे बड़ा निर्णय प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने का है। इसके लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि सरकार देश के किसान भाई-बहनों के सशक्तिकरण और समृद्धि के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस योजना से किसानों को बीज, खाद तथा खेती की अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिल रही है और उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है।

अब तक 4.47 लाख करोड़ खातों में

फरवरी 2019 में शुरू हुई पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है।

▶8 पर

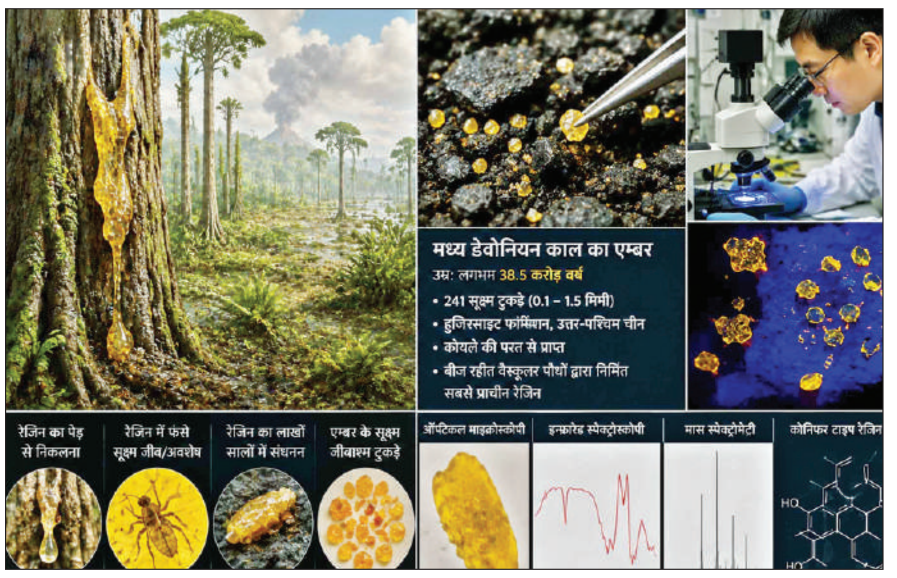

38.5 करोड़ साल पुराने एम्बर के टुकडे मिले, वैज्ञानिकों ने खोले चौंकाने वाले राज

बीजिंग

पेड़ों से निकलने वाला रेजिन या गोंद मुख्य रूप से कीड़ों से बचने और पेड़ों के घावों को भरने का एक तरीका है। अभी तक वैज्ञानिक ऐसा ही मानते थे, लेकिन वैज्ञानिकों की ताजा खोज ने इस पुरानी धारणा को पूरी तरह से बदल दिया है। चीन के उत्तर-पश्चिम में कोयले की एक परत में वैज्ञानिकों को एम्बर के सैकड़ों सूक्ष्म टुकड़े मिले हैं। ये टुकड़े लगभग 38.5 करोड़ साल पुराने हैं और मध्य डेवोनियन काल के माने जाते हैं।

यह खोज पिछले रिकार्ड धारक एम्बर से लगभग 6.5 करोड़ साल और पृथ्वी पर पहले डायनासोर के आने से भी 15 करोड़ साल पहले की है, जिसने बताया है कि उस समय की दुनिया वैसी नहीं थी जैसी हम अब तक कल्पना करते थे, क्योंकि उस दौर में कीड़े पौधों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाते थे, फिर भी पौधों ने रेजिन बनाना शुरू कर दिया था। यह नई स्टडी साइंस एडवांसेज नाम के जर्नल में छपी है, जिस पर चाइनीज एकेडमी आफ साइंसेज के जीवाश्म विज्ञानी सिहांग लुओ ने काम किया है। लुओ ने बताया कि यह केवल पुराना होने की बात नहीं है, बल्कि पिछला कंफर्म एम्बर रिकार्ड लेट कार्बोनिफेरस काल का था और शायद बीज वाले पौधों से जुड़ा था। लेकिन उनका एम्बर मध्य डेवोनियन काल का है, जब बीज वाले पौधे पूरी तरह विकसित भी नहीं हुए थे। इसका सीधा मतलब है कि बिना बीज वाले वैस्कुलर पौधे भी जटिल रेजिन बना सकते थे। यह विज्ञान के लिए एक बहुत बड़ा कदम है, जिससे हमें पौधों के विकास को गहराई से समझने में काफी मदद मिलेगी।

एम्बर प्रागैतिहासिक काल का एक बहुत बड़ा प्रतीक है। यह पेड़ों के चिपचिपे रेजिन से बनता है जो लाखों सालों में सख्त होकर जीवाश्म बन जाता है और एक खूबसूरत रत्न में बदल जाता है। लेकिन यह सिर्फ दिखने में सुंदर नहीं, बल्कि उस समय की दुनिया की हर छोटी बात को सुरक्षित रख सकता है। जब यह पेड़ से निकलता है, तो इसमें परागकण, पौधों के हिस्से, छोटे कीड़े और यहां तक कि छोटे डायनासोर के हिस्से भी कैद हो जाते हैं। जीवाश्म विज्ञानी ऐसे नमूनों को बहुत कीमती मानते हैं, क्योंकि इनसे हमें पुराने इकोसिस्टम के बारे में बहुत कुछ पता चलता है। यह नया एम्बर हमें पौधों के विकास के बारे में खास जानकारी देता है। यह प्राचीन रेजिन किसी चमकते हुए सोने जैसे बड़े टुकड़े के रूप में नहीं मिला है, जैसा आप किसी पेंडेंट में देखते हैं।

रिसर्चर्स को यह रेजिन 241 छोटे टुकड़ों के रूप में मिला, जिनका आकार केवल 0.1 से 1.5 मिलीमीटर के बीच है। उत्तर-पश्चिम चीन में हुजिरसाइट फार्मेशन से 10 किलोग्राम कोयला निकाला गया था, उसी भारी भरकम कोयले में से ये सूक्ष्म टुकड़े मिले। ये टुकड़े इतने छोटे थे कि इन्हें खोजने के लिए अल्ट्रावायलेट लाइट का इस्तेमाल करना पड़ा, जिसमें ये आसपास की चट्टान के मुकाबले चमकने लगे। उस चट्टान की उम्र पहले ही 38.5 करोड़ साल तय की जा चुकी थी। एम्बर की पहचान पक्की करने के लिए वैज्ञानिकों ने कई केमिकल टेस्ट किए, जिनमें आप्टिकल टेस्ट, इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी और मास स्पेक्ट्रोमेट्री शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

सुनसरी हिंसा : नेपाल सरकार और मृतकों के परिजनों के बीच सात बिंदुओं पर समझौता

काठमांडू। नेपाल के सुनसरी के कप्तानगंज में पुलिस गोलीबारी में दो युवकों की मौत के मामले में सरकार और मृतकों के परिजनों के बीच सात सूत्री समझौता हुआ है। इस अवसर पर गृहमंत्री सुदन गुरुङ तथा मृतक ओमप्रकाश मेहता और जयप्रकाश मेहता के परिजन मौजूद रहे। देवानगंज गांउपालिका के अध्यक्ष बेचन प्रसाद मेहता के अनुसार, समझौते पर गृहमंत्री सुदन गुरुङ, ओमप्रकाश मेहता के पिता कृष्णदेव मेहता और जयप्रकाश मेहता के पिता नरेश मेहता ने हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि कप्तानगंज में पुलिस फायरिंग के दौरान ओमप्रकाश मेहता और जयप्रकाश मेहता की मौत हो गई थी। समझौते के अनुसार नेपाल सरकार दोनों मृतकों को शहीद घोषित करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करेगी। प्रत्येक पीड़ित परिवार को 10 लाख नेपाली रुपये की राहत सहायता प्रदान करेगी। सरकार ने घटना की निष्पक्ष कराने का आश्वासन दिया है। समझौते में यह भी तय हुआ है कि देवानगंज गांउपालिका स्थित मदरसे की कानूनी स्थिति की तत्काल जांच शुरू की जाएगी। वहां रह रहे दोषियों को कानून के दायरे में लाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। साथ ही, दोनों शोकाकुल परिवारों के एक-एक योग्य सदस्य को सरकारी रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। समझौते के एक अन्य बिंदु के तहत स्थानीय सरकार के समन्वय से इस क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर मृतकों की स्मृति में स्मारक पार्क का निर्माण किया जाएगा।

हूती हमलों से निपटने के लिए सऊदी बना रहा समुद्री गठबंधन, 14 देशों का मिला समर्थन

रियाद। लाल सागर (रेड सी) में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री गठबंधन बनाने की तैयारी कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से जहाजों पर किए जा रहे हमलों से समुद्री यातायात की सुरक्षा करना है। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अब तक 14 देशों ने इस प्रस्ताव को समर्थन दिया है। इनमें तुर्किये, पाकिस्तान, मिस्र, सूडान और जिबूती सहित कई देश शामिल हैं। सऊदी अरब ने इस गठबंधन में शामिल होने के लिए करीब 50 देशों को आमंत्रित किया है। सऊदी अधिकारियों का कहना है कि लाल सागर वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यहां बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों का असर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ सकता है। हाल के महीनों में हूती विद्रोहियों की ओर से लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं के बाद क्षेत्रीय तनाव बढ़ा है। सऊदी अरब की इस पहल को समुद्री सुरक्षा मजबूत करने और व्यापारिक मार्गों को सुरक्षित बनाए रखने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है ।

महिला ने खुद की हत्या कराने की दी सुपारी, बोली बेरहमी से मारना, मरने के लिए ब्रिटेन से खुद अमेरिका पहुंच गई

वाशिंगटन। ब्रिटेन की एक महिला ने खुद की हत्या के लिए न केवल सुपारी दी बल्कि किलर से कहा कि मुझे इतनी बेरहमी से मारना की दुनिया मेरी मौत को याद करे। प्लान के मुताबिक महिला मरने के लिए आरोपी ब्रिटेन से अमेरिका पहुंच गई। जांच एजेंसियों ने अदालत में पेश दस्तावेजों में दावा किया है कि मृतक सोनिया और आरोपी ड्वेन हाल के बीच पिछले तीन वर्षों से आनलाइन संपर्क था। जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों एक वेबसाइट के माध्यम से मिले थे और उनके बीच हिंसक यौन कल्पनाओं को लेकर बातचीत होती रही। पुलिस का कहना है कि सोनिया ने आरोपी को पैसे भी भेजे थे और कथित तौर पर अपनी हत्या की इच्छा जताई थी। हालांकि अभियोजन पक्ष का कहना है कि किसी व्यक्ति की सहमति हत्या को कानूनी नहीं बनाती और आरोपी पर हत्या का मुकदमा जारी रहेगा। जांच में यह भी सामने आया है कि मुलाकात से पहले आरोपी ने फावड़ा, रस्सी, गन क्लीनर और डियोडोरेंट स्प्रे जैसे सामान खरीदे थे। पुलिस के अनुसार, डिजिटल रिकार्ड और लेनदेन से यह भी संकेत मिले हैं कि सोनिया ने हाल को लगभग 4,000 अमेरिकी डालर भेजे थे। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि यह रकम कथित योजना का हिस्सा थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस को आरोपी के इलेक्ट्रानिक उपकरणों से एक वीडियो भी मिला।

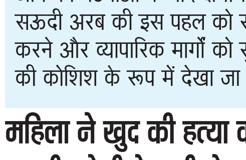

हमास और अन्य सशस्त्र समूह गाजा पट्टी में हथियार छोड़ने को तैयार, ट्रंप ने की समझौते की पुष्टि

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि गाजा पट्टी में मौजूद हमास और अन्य आतंकी समूह हथियार छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। इन सबके साथ एक समझौता हुआ है। जैसे-जैसे यह प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, इजराइली सैन्य बल चरणबद्ध तरीके से वहां से हटेंगे। यह समझौता शांति निकाय (शांति बोर्ड / बोर्ड आफ पीस) के साथ हुआ है। ट्रंप इस निकाय के अध्यक्ष हैं। इस समझौते को गाजा पट्टी को हथियार और सैन्य मुक्त करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। राष्ट्रपति ने इस समझौते तक पहुंचने में मदद के लिए मिस्र, कतर और तुर्किये का आभार जताया है।

अमेरिकी समाचार वेबसाइट एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता ट्रंप की 20 सूत्री गाजा शांति योजना को लागू करने में बड़ी सफलता होगी।

दो अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हमास समझौते की सभी शर्तों पर सहमत हो गया है, लेकिन इजराइली अधिकारियों और पश्चिमी राजनयिकों को अभी भी संदेह है कि आतंकी समूह हमास अपने वादों का पालन करेगा। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर कहा, आज, बोर्ड आफ पीस हमास और गाजा में अन्य सभी सशस्त्र समूहों के पूर्ण निरस्त्रीकरण (हथियार छोड़ने) के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर पहुंचा है। यह स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है।

महत्वपूर्ण यह है कि ट्रंप के शांति निकाय, मिस्र, कतर और तुर्किये के मध्यस्थों ने गाजा पट्टी को सैन्य मुक्त करने और स्थानीय प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति को अधिकार सौंपने पर हमास के साथ बातचीत में कई महीने बिताए हैं। इस समझौते से इजराइल नाखुश दिख रहा है। उसे कतर और तुर्किये पर संदेह है। इजराइल ने दोनों पर हमास की राजनीतिक भूमिका बनाए रखने में मदद करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा कि समझौते के तहत हमास को छह से आठ महीनों में भारी और हल्के हथियार हटाने होंगे और अपने सुरंग नेटवर्क, हथियार बनाने की जगहों और हथियारों के गोदामों के नक्शे देने होंगे। हथियारों को राष्ट्रीय समिति के नियंत्रण में रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि इजराइल की शिन बेट सिक्योरिटी सर्विस से मंजूरी पाने वाली नई फिलिस्तीनी पुलिस फोर्स को राष्ट्रीय समिति के नियंत्रण वाले इलाकों में प्रशिक्षण देने के बाद तैनात किया जाएगा। इस समझौते की खास बात यह है कि हमास विरोधी मिलिशिया गुटों से भी हथियार वापस लिए जाएंगे। हमास के लड़ाकों को माफी मिलेगी और उन्हें गाजा में रहने की इजाजत होगी। इस वार्ता से जुड़े दो सूत्रों ने बताया कि कतर, तुर्किये और खासकर मिस्र ने समझौते पर दस्तखत करने के लिए हमास पर जबरदस्त दबाव डाला है। मिस्र के खुफिया प्रमुख हसन रशाद ने इसमें अहम भूमिका निभाई। हमास की राजनीतिक शाखा के नए नेता खलील अल-हय्या के साथ उनके करीबी रिश्ते हैं।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) को इस समझौते से तगड़ा झटका लगा है। एक सूत्र के मुताबिक, पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के लिए ईरान की हालिया यात्रा के दौरान हमास के प्रतिनिधिमंडल ने कार्प्स के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की थी। इन अधिकारियों ने हमास को आगाह किया था कि जल्दबाजी में समझौता न किया जाए और इसके लिए और समय मांगा जाए।

राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यह समझौता ऐतिहासिक है। यह स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। यह समझौता गाजा में एक नई फिलिस्तीनी सरकार के शासन की दिशा में भी अहम कदम है। यह सरकार उनके शांति निकाय के साथ मिलकर काम करेगी। इजराइल को पूरी सुरक्षा मिलेगी। गाजा पट्टी का इस्तेमाल अब आतंकी हमलों के अड्डे के तौर पर नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बल का गठन किया जाएगा। यह नई फिलिस्तीनी पुलिस फोर्स के साथ मिलकर गाजा को वहां के निवासियों और पड़ोसियों के लिए सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी संभालेगी। मैं मध्यस्थ मिस्र, कतर और तुर्किये को उनकी अहम कोशिशों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, और खासकर अपनी बेहतरीन टीम को, जिनकी अथक मेहनत से यह ऐतिहासिक सफलता संभव हो पाई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने वादा किया, सात अक्टूबर को गाजा से पैदा हुए खतरे को फिर से पनपने नहीं दिया जाएगा। इस समझौते के तहत गाजा आखिरकार एक ऐसी नई फिलिस्तीनी सरकार के हाथों में होगा जो अपने लोगों की सेवा करेगी। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी को बधाई, जिसके बारे में सब कहते थे कि इसे कभी हासिल नहीं किया जा सकता।

अमेरिका का हथियार भंडार खाली! 58 अरब डालर की पैट्रियट मिसाइलें बनाने का दिया आर्डर

वाशिंगटन

यूक्रेन-रूस युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध और अब ईरान युद्ध ने अमेरिकी हथियार भंडार को खाली कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने मिसाइलों का गोदाम भरने के लिए दुनिया के रक्षा इतिहास का सबसे बड़ा आर्डर देने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन ने पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए 58.6 अरब डालर तक का कान्ट्रैक्ट लाकहिड मार्टिन को दिया है। इसके तहत 2032 तक भारी संख्या में मिसाइलों का प्रोडक्शन किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सेना ने बताया कि इस नए आर्डर के जरिए अप्रैल में हुए 4.7 अरब डालर के एक साल के कान्ट्रैक्ट को सात साल के फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में बदल दिया गया है। यह एग्रीमेंट 2026 से 2032 तक के फाइनेंशियल ईयर के लिए है। इस कदम का मकसद पैट्रियट एडवांस्ड कैपेबिलिटी-3 मिसाइल सेगमेंट एन्हांसमेंट इंटरसेप्टर का प्रोडक्शन बिजली की रफ्तार से बढ़ाना है जो अमेरिका के एयर डिफेंस नेटवर्क का एक अहम हिस्सा है। अमेरिका ने यूक्रेन और इजराइल को हथियारों की सप्लाई की है और ईरान युद्ध में भी भारी संख्या में मिसाइल इंटरसेप्टर्स का इस्तेमाल किया है। इससे अमेरिका का मिसाइल स्टाक काफी कम हो गया है। इसीलिए अमेरिका ने हथियार खरीदने के लिए अपना खजाना खोल दिया है। पैट्रियट पीएसी-3 एमएसई इंटरसेप्टर को हिट-टू-किल मैकेनिज्म के जरिए आने वाली बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों और एयरक्राफ्ट को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मिसाइल पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम की रीढ़ है जो बढ़ते जियोपालिटिकल तनाव के बीच दुनिया के सबसे ज्यादा मांग वाले एयर डिफेंस प्लेटफार्म में से एक बन गया है। लाकहीड के साथ हुआ ये समझौता पेंटागन की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। इस रणनीति का मकसद जल्द से जल्द हथियारों के स्टाक को बढ़ाना है। इससे डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स को अपनी क्षमता बढ़ाने, सप्लाई चेन को मजबूत करने और नई सुविधाओं में ज्यादा भरोसे के साथ निवेश करने में मदद मिलेगी।

ईरान युद्ध में हुई भारी संख्या में मिसाइल इंटरसेप्टर्स का इस्तेमाल, हथियार खत्म होने का डर

ईरान पर सैन्य कार्रवाई सीमित करने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में खारिज

वाशिंगटन। अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई पर संसदीय नियंत्रण बढ़ाने से जुड़ा एक प्रस्ताव आवश्यक समर्थन हासिल नहीं कर सका। हुई मतदान प्रक्रिया में प्रस्ताव के पक्ष में 49 और विपक्ष में 50 मत पड़े, जिसके बाद यह आगे नहीं बढ़ सका। यह प्रस्ताव राष्ट्रपति के सैन्य अधिकारों पर संसदीय निगरानी को मजबूत करने के उद्देश्य से लाया गया था। प्रस्ताव रखने वाले सांसद चाहते थे कि इसे सीनेट के पूर्ण सदन में विस्तृत चर्चा और अंतिम मतदान के लिए भेजा जाए, लेकिन पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। यदि प्रस्ताव पारित हो जाता, तो ईरान के खिलाफ भविष्य में व्यापक सैन्य कार्रवाई करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेना आवश्यक हो सकता था। फिलहाल यह पहल आगे नहीं बढ़ पाई है और इस विषय पर मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान और अमेरिका के मध्य जारी तनाव के बीच इस मुद्दे पर अमेरिकी संसद में हुई बहस को दोनों देशों के संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है।

आईसी 3599 गैलेक्सी के केंद्र में एक विशाल ब्लैक होल में हुआ महाविस्फोट

न्यूयार्क

धरती से 280 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर अंतरिक्ष में स्थित आईसी 3599 गैलेक्सी के केंद्र में एक विशाल ब्लैक होल में हुए महाविस्फोट का वैज्ञानिकों ने सीधा अवलोकन किया। पिछले 35 साल में यह अभूतपूर्व घटना तीसरी बार हुई है। यह धमाका इतना भयंकर था कि इसकी रोशनी अपनी सामान्य स्थिति से 50 गुना ज्यादा बढ़ गई। यह पहला मौका है जब रिसर्चर्स ने इस विनाशकारी मंजर को वास्तविक समय में कैमरे में कैद किया है। इस रोमांचक खोज के बाद से वैज्ञानिक लगातार ब्लैक होल के गहरे रहस्य को समझने में जुटे हैं। यह खौफनाक महाविस्फोट आईसी 3599 नाम की गैलेक्सी के ठीक बीच में मौजूद ब्लैक होल में हुआ है, जो नील गेहरेल्स स्विफ्ट आब्जर्वेटरी की मदद से पहचाना गया।

वैज्ञानिक 2013 से ही इस खतरनाक ब्लैक होल पर नजर रख रहे थे, और अचानक अक्टूबर 2025 में इसके रिसर्च डेटा में एक बड़ा बदलाव देखा गया, जब यह अपनी सबसे शांत स्थिति से 50 गुना ज्यादा चमकदार हो गया। नदर्न केंटुकी यूनिवर्सिटी के डी. ग्रूपे की टीम ने स्विफ्ट और एक्सएमएम-न्यूटन जैसे शक्तिशाली टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके इसकी सबसे पहले पहचान की। इसके अलावा, जमीन पर मौजूद कई आब्जर्वेटरी ने भी इस बड़े धमाके का अहम डेटा जमा किया। वैज्ञानिक लंबे समय से अंतरिक्ष में होने वाले इस तरह के धमाकों की असल वजह तलाश रहे हैं। आमतौर पर माना जाता है कि ब्लैक होल किसी विशाल तारे को निगलता है, तो ऐसा भयंकर ब्लास्ट होता है। लेकिन इस मामले में रिसर्चर्स ने एक बिल्कुल अलग वजह बताई है। उनका मानना है कि ब्लैक होल की एक्रिशन डिस्क में भयंकर रेडिएशन का दबाव बना था, जिससे वहां मौजूद गैस पूरी तरह से अस्थिर हो गई। जब गैस की मात्रा एक खास सीमा से ज्यादा बढ़ गई, तो वहां भयानक विस्फोट हो गया। विस्फोट के बाद ब्लैक होल की डिस्क पूरी तरह खाली हो जाती है, फिर धीरे-धीरे ठंडी होती है और दोबारा खतरनाक गैस से भरने लगती है। पिछले 35 साल में हुए इन तीन धमाकों में वैज्ञानिकों को कुछ खास पैटर्न भी देखने को मिले हैं।

यह विशाल विस्फोट किसी तय समयरेखा पर नहीं हुआ है; पहले और दूसरे धमाके के बीच करीब 19.5 साल का अंतर था, वहीं दूसरे और तीसरे ब्लास्ट में करीब 15.7 साल का समय लगा। इस बड़े धमाके के दौरान, वैज्ञानिकों को एक बेहद अजीब पैटर्न देखने को मिला: एक्स-रे की चमक हर 7.4 घंटे में लगातार ऊपर और नीचे हो रही थी, जिसे विज्ञान की भाषा में क्वासी-पीरियोडिक आसिलेशन कहा जाता है।

पाकिस्तान में हिमस्खलन की चपेट में आने से पहले नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा ने अचानक बनाई थी ब्राड पिक पर चढ़ाई की योजना

काठमांडू

पाकिस्तान के ब्राड पीक अभियान के दौरान हिमस्खलन की चपेट आने के एक दिन पहले ही विश्वप्रसिद्ध नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा (निम्स दाई) ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक भावुक और प्रेरणादायक संदेश जारी किया था।

उन्होंने कहा था कि उनका मूल लक्ष्य केवल गाशरब्रुम-2 (ग2) पर चढ़ाई करना था, लेकिन अभियान से ठीक पहले जब उन्होंने अपने 8,000 मीटर से ऊंचे शिखरों का रिकार्ड देखा तो उन्हें एहसास हुआ कि यदि इस बार ब्राड पीक भी फतह कर लेते हैं, तो केवल चो ओयू शिखर ही शेष रह जाएगा। इसके बाद वह बिना अतिरिक्त आक्सीजन के दुनिया की सभी 14 आठ-हजारी चोटियों पर दो-दो बार चढ़ाई करने वाले इतिहास के पहले पर्वतारोही बन जाएंगे।

निर्मल पुर्जा ने कहा कि यह योजना पहले से तय नहीं थी। उनका मुख्य ध्यान हैट्रिक प्रोजेक्ट पर था, क्योंकि उसके पीछे एक बड़ा उद्देश्य था। लेकिन उन्होंने लिखा कि अवसर कभी शोर नहीं मचाते, वे उन लोगों से धीरे से बात करते हैं जो लगातार चुपचाप मेहनत करते रहते हैं।

उन्होंने अपने जीवन का सबसे बड़ा मंत्र साझा करते हुए कहा कि उन्होंने कभी किसी दूसरे पर्वतारोही से प्रतिस्पर्धा नहीं की। मेरी सबसे बड़ी लड़ाई हमेशा उस इंसान से रही है, जो मैं कल था। मैं हर दिन खुद की सीमाओं को पार करने की कोशिश करता हूं। जिस दिन आप दूसरों की ओर देखने लगते हैं, उसी दिन आप अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं।

निर्मल पुर्जा ने अपने ऐतिहासिक प्रोजेक्ट पासिबल का भी जिक्र किया, जिसके दौरान उन्होंने बिना आक्सीजन के सभी 14 आठ-हजारी चोटियां चढ़ीं। उन्होंने कहा कि उस समय भी लोगों ने उनकी आलोचना की थी।

उन्होंने लिखा कि नेटफिक्स की डाक्यूमेंट्री 14 पीक्स उस संघर्ष की सच्ची कहानी दिखाती है, जिसमें उन्होंने अन्य अभियानों द्वारा पीछे छोड़ दिए गए पर्वतारोहियों का कई बार रेस्क्यू किया, स्वयं धन जुटाया, टीम का नेतृत्व किया, रस्सियां लगाईं, चीन से शिशापांगमा की अनुमति हासिल की और इसी दौरान अपनी मां के आपरेशन के लिए अस्पतालों के भी चक्कर लगाए।

उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य बिना आक्सीजन के सभी 14 चोटियों की दूसरी और कुल तीसरी सफल चढ़ाई पूरी करना है। उन्होंने कहा कि आलोचनाओं का शोर आज भी जारी है, लेकिन मैंने अब उसे सुनना ही छोड़ दिया है।

अपने आलोचकों को जवाब देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि वह पाकिस्तान की सभी पांच 8,000 मीटर से ऊंची चोटियों पर मात्र 26 दिनों में बिना आक्सीजन के चढ़ाई कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने नेतृत्व किया, मार्गदर्शन किया और ऐसे रिकार्ड तोड़े जिन्हें पहले अतिरिक्त आक्सीजन की मदद से बनाया गया था।

ब्राड पीक अभियान पर निकलने से पहले उन्होंने पर्वत से केवल एक प्रार्थना की। उन्होंने लिखा, मैं ब्राड पीक से केवल सुरक्षित ऊपर जाने और सुरक्षित वापस लौटने की कामना करता हूं। मैं किसी भी पर्वत को कभी हल्के में नहीं लेता। बेस कैंप से पहला कदम रखते ही मैं अपना 100 प्रतिशत देता हूं।

अंत में उन्होंने अपने समर्थकों और आलोचकों, दोनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप दोनों के बिना यह जुनून संभव नहीं था। मेरा उद्देश्य केवल अपनी उपलब्धियां नहीं हैं, बल्कि यह साबित करना है कि जीवन में हर व्यक्ति का अपना-अपना पर्वत होता है और उसे भी फतह किया जा सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

घर की जरूरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली–भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई–बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द ग़ायब करने की क़ाबिलियत रखती हे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शरीर के किसी अंगे में दर्द होने की संभावना है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 अगस्त 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 11:09 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 08:46 तक
योग : शोभन रात्रि 11:22 तक
करण : वणिज प्रात: 10:55 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रात: 10:51 से रात्रि 11:09 तक , चातुर्मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वयं चिंतन और स्वयं परिवर्तन से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव : राजमतीजी

मलकपेट जैन श्री संघ के चातुर्मास में जिनवाणी श्रवण, तप एवं आत्मचिंतन का दिया संदेश

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में आयोजित आध्यात्मिक वर्षावास (चातुर्मास)– 2026 के अंतर्गत परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. मधुकर की पावन परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. भीम के पावन सान्निध्य से प्रेरित जिन शासन चन्द्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएँ जिन शासन दीपिका मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. राजुल, पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. के सान्निध्य में धार्मिक आयोजन निरंतर जारी हैं।

चातुर्मास सहसंयोजक एवं मंत्री गिरिराज सिंघी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म.सा. ने प्रेरणादायी गीतिका ‘‘वीर प्रभु मोरी रंग दो चुनरिया‘‘ से किया। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि यदि जीवन पर लगे कर्मों के मैल को दूर करना है तो जिनवाणी का श्रवण अत्यंत आवश्यक है। संसार की बाहरी वस्तुओं की सफाई तो सभी करते हैं, लेकिन आत्मा पर लगे कर्मों के मल को हटाने का प्रयास बहुत कम लोग करते हैं।

उन्होंने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि और श्रेणिक चरित्र जैसे महान आदर्शों को जीवन में उतारने का श्रेष्ठ अवसर है। मनुष्य जैसे कर्म करता है, वैसा ही फल उसे प्राप्त होता है। किसी के शरीर, रंग–रूप या व्यक्तित्व का उपहास उड़ाना भी कर्मबंधन का कारण बनता है। उन्होंने कहा कि पुण्यवान जीव को केवल एक प्रेरणा की आवश्यकता होती है, जिसके बाद वह धर्ममार्ग पर अग्रसर हो जाता है।

मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो व्यक्ति भगवान महावीर की वाणी को श्रद्धापूर्वक सुनता है, उसका मनन एवं चिंतन करता है तथा उसे जीवन में उतारता है, वही कर्मबंधन से मुक्त होकर मोक्ष का अधिकारी बनता है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार घर में प्रकाश होने से अंधकार दूर हो जाता है, उसी प्रकार धर्म का प्रकाश जीवन के अज्ञान रूपी अंधकार को समाप्त कर देता है। उन्होंने सभी से आंतरिक अंधकार को दूर कर धर्म के प्रकाश को अपनाने का आह्वान किया।

जिन शासन दीपिका पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. ‘‘राजुल‘‘ ने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास संत–साध्वियों के सान्निध्य में जिनवाणी सुनने, आत्मचिंतन करने और जीवन के अंधकार को दूर कर मोक्ष मार्ग की ओर बढ़ने का श्रेष्ठ अवसर है।

उन्होंने कहा कि धन, दौलत और परिवार स्थायी नहीं हैं, जबकि धर्म, जप, तप और त्याग ही जीवनभर साथ रहते हैं। जब तक पुण्य का प्रभाव रहता है, तब तक पाप निकट नहीं आ सकता।

अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि स्वयं चिंतन करेगा और स्वयं में परिवर्तन लाएगा, तो उसे निश्चित रूप से मोक्ष की प्राप्ति होगी।

जयमल ब्रज मधुकर दरबार में चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने कहा कि चातुर्मास का यह काल अपनी संस्कृति, संस्कार और धर्म को गहराई से समझने का श्रेष्ठ अवसर है। आधुनिक जीवन में सफलता महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे अधिक आवश्यक चरित्र, संयम, विनम्रता और आध्यात्मिकता है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से परिवार सहित प्रतिदिन प्रवचन में उपस्थित होकर जिनवाणी श्रवण करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि आयंबिल एवं एकासन की श्रृंखला निरंतर जारी है। शुक्रवार को श्रीमती चेतनाजी सिंघवी का आयंबिल तथा श्रीमती नीलमजी सुराणा का एकासन सम्पन्न हुआ। शनिवार को श्रीमती संगीताजी कोठारी का आयंबिल एवं श्रीमती नंदाजी कोठारी का एकासन रहेगा।

चातुर्मास प्रारंभ होने से ही विभिन्न तपों की श्रृंखला भी चल रही है। इस अवसर पर श्री कमलजी सिंघवी ने गुरुवार्या के मुखारविंद से तेला तप के पच्चखाण ग्रहण किए, जिसकी श्रीसंघ ने अनुमोदना करते हुए उनके उत्तम तप की सराहना की।

शुक्रवार के अवसर पर विशेष पद्मावती एकासन का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक श्रावक–श्राविकाओं ने भाग लेकर संघ की भोजनशाला में एकासन किया।

आगामी 2 अगस्त, रविवार को आयोजित रविवारिया प्रतियोगिता के पुरस्कारों के लाभार्थी श्री माणकचंदजी, अशोकजी, राहुलजी एवं रुदेवजी सिंघवी परिवार रहेंगे। वहीं प्रवचन के पश्चात चैतन्यपुरी निवासी श्री प्रेमराजजी, पवनजी एवं मुकेशजी नाहर परिवार की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

संयोजकों ने बताया कि आगामी चार माह के चातुर्मास काल में प्रवचन, स्वाध्याय, तप, संस्कार शिविर, धार्मिक अनुष्ठान तथा विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिनका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्राप्त करेंगे।

कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त कर पूज्य साध्वीवृंद से मंगल आशीर्वाद ग्रहण किया।

विजयरमना राव ने ओडेला मल्लिकार्जुन मंदिर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

पेद्दापल्ली, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मानद सरकारी सचेतक और पेद्दापल्ली विधायक श्री चिन्तकुंता विजयरमना राव ने शुक्रवार को ओडेला मंडल केंद्र में स्थित ओडेला मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नेताओं के साथ मंदिर के अध्यक्ष, निदेशक, अधिकारियों, पूर्व जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए विधायक ने मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं सुधार कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

रंगधारा थिएटर स्ट्रीम ने मराठी नाटक से जीवंत किया बचपन का प्यारा किस्सा

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाग्यनगर में आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव में रंगधारा थिएटर स्ट्रीम के बाल कलाकारों ने डॉ. पृथ्वीराज तौर के मराठी नाटक ‘‘चल रे भोपल्या टुणुक टुणुक‘‘ का रंगारंग मंचन किया। नाटक में एक चतुर दादी की कहानी को आधुनिक जेन अल्फा पीढ़ी के लिए जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। इस महोत्सव में विभिन्न देशों के कलाकारों ने अपनी–अपनी भाषाओं में प्रस्तुतियां दीं। रंगधारा के वरिष्ठ रंगकर्मी प्रकाश फडणीस के निर्देशन में यह नाटक संगीत, लाइटिंग, जंगल के सेट और बच्चों की ऊर्जा से भरपूर रहा। बच्चों ने ‘चल रे भोपल्या टुणुक टुणुक’ और ‘म्हातारी निघाली गाणी म्हणत’ जैसे गीत भी गाए। इस मंचन में श्रीमती अभिलाषा, अवधूत कुलकर्णी एवं रंगधारा टीम ने सहयोग दिया।

श्रृंगी ऋषि शोभायात्रा का पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत

राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं युवा मंच ने गुरु पूर्णिमा पर किया शीतल पेय सेवा का आयोजन

निज़ामाबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सिखवाल समाज द्वारा आयोजित भगवान श्री श्रृंगी ऋषि की भव्य रथ एवं शोभायात्रा का राजस्थानी ब्राह्मण समाज तथा राजस्थानी ब्राह्मण समाज युवा मंच की ओर से राजस्थान भवन के सामने पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेय सेवा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्थानी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अशोक दायमा, मंत्री जुगल किशोर पांडे, कोषाध्यक्ष राजेश पुरोहित तथा कार्यकारिणी सदस्य सुनील मुंडेल, प्रवीण व्यास, महावीर दायमा, मुकेश शर्मा, राजेंद्र पांडे एवं राजेश व्यास उपस्थित रहे। राजस्थानी ब्राह्मण समाज युवा मंच के संचालक किशोर तिवारी, अध्यक्ष रोशन बोरा, मंत्री उदय उपाध्याय तथा कार्यकारिणी सदस्य नितिन दायमा, दिनेश पांडे और मनमोहन उपाध्याय ने शोभायात्रा के स्वागत एवं सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई।

इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ एवं गणमान्य सदस्य नरेश तिवारी, जुगल शर्मा, कमल दायमा, जगदीश नागला, मुन्नालाल जोशी, भगवान उपाध्याय, विनोद व्यास, सुरेश दायमा तथा बृजगोपाल व्यास सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्री श्रृंगी ऋषि के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हुए पुष्पवर्षा की तथा शीतल पेय वितरण के माध्यम से सेवा भावना का परिचय दिया। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, श्रद्धा और आपसी सौहार्द को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम का समापन श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच हुआ।

समाज सेवा की नई पहचान बना राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद : नवीन सांवरिया

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम को स्वर्गीय श्रीमती राधाबाई सांवरिया की पुण्य स्मृति को समर्पित किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई तथा सभी ने सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए समाज हित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नवीन सांवरिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्य वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय हैं। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि ग्रुप के सभी सदस्य बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं, जिससे समाज में सहयोग, संवेदना, भाईचारे और मानवता की भावना निरंतर मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्रीमती राधाबाई सांवरिया के आदर्श, संस्कार और सेवा भाव सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी पुण्य स्मृति में किया गया यह अन्नदान कार्यक्रम समाज को यह संदेश देता है कि किसी प्रियजन की स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि सेवा और परोपकार के माध्यम से ही दी जा सकती है। कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, भंवरलाल गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, संजय गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, नवीन सांवरिया, अंजना सांवरिया, कमल मुंदड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय श्रीमती राधाबाई सांवरिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए सेवा, संस्कार और परोपकार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। अंत में ग्रुप के सदस्यों ने समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सेवा का लाभ पहुँचाने तथा अन्नदान जैसे पुण्य कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर रोक बरकरार

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने, डीजे साउंड सिस्टम और सार्वजनिक आयोजनों पर भी सख्ती; 1 अगस्त से 1 सितंबर तक आदेश प्रभावी

पेद्दापल्ली, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नर श्री अंबर किशोर झा ने कहा है कि आम नागरिकों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के मंचेरियल और पेद्दापल्ली जोन में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पर प्रतिबंध जारी रहेगा। यह आदेश 1 अगस्त 2026 से 1 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर इसकी अवधि आगे भी बढ़ाई जा सकती है।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों में सामने आया था कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन कर असामाजिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं तथा नशे की हालत में राहगीरों और स्थानीय लोगों के साथ अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। इसे देखते हुए जनसुरक्षा और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने चेतावनी दी कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 तथा हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम, 1348 फसली के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मंचेरियल और पेद्दापल्ली जोन में अत्यधिक ध्वनि वाले डीजे साउंड सिस्टम के उपयोग पर प्रतिबंध की अवधि भी बढ़ा दी गई है। यह आदेश भी 1 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। उन्होंने कहा कि ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखने तथा बच्चों, बुजुर्गों, मरीजों और विद्यार्थियों को होने वाली परेशानी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। विभिन्न आयोजनों में बिना अनुमति अत्यधिक ध्वनि वाले डीजे का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

यदि किसी कार्यक्रम में माइक या ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग आवश्यक हो तो संबंधित डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा तथा सरकार द्वारा निर्धारित ध्वनि संबंधी दिशा–निर्देशों का पालन करना होगा।

इसके अलावा पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा कारणों से ड्रोन संचालन केवल सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति के बाद ही किया जा सकेगा।

पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा ने बताया कि रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में रामागुंडम कमिश्नरेट अधिनियम–2016 की धारा 7(1), धारा 22(1)(क) से (फ), धारा 22(2)(क) एवं (ख), धारा 22(3), हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम, 1348 फसली की धारा 30 तथा पुलिस अधिनियम–1861 के संबंधित प्रावधानों के तहत विशेष प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए हैं।

ये आदेश 1 अगस्त 2026 को सुबह 6 बजे से 1 सितंबर 2026 को सुबह 6 बजे तक प्रभावी रहेंगे।

आदेशों के अनुसार रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट की सीमा में बिना अनुमति धरना, रैली, जुलूस, सड़क जाम, सार्वजनिक सभा अथवा किसी भी प्रकार का सामूहिक आयोजन नहीं किया जा सकेगा।

यदि किसी संगठन या संस्था को ऐसा कार्यक्रम आयोजित करना है तो संबंधित पुलिस अधिकारियों से पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

पुलिस आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि बंद के नाम पर संस्थानों, प्रतिष्ठानों या कार्यालयों को जबरन बंद कराने, लोगों पर दबाव बनाने अथवा धमकाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गायत्री मंत्र को महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के ऋषि विश्वामित्र और देवी सरस्वती हैं। यदि शास्त्रों में वर्णित विधि अनुसार इसका जाप किया जाए, तो मां सरस्वती प्रसन्न होकर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देती है...

वेदमाता गायत्री

गायत्री शब्द का अर्थ है प्राणरक्षक। 'गाय' कहते हैं प्रण को तथा 'त्री' का तात्पर्य है त्राण संरक्षण करने वाली। अत: जिस शक्ति से प्राण का, प्रतिभा का व जीवन का संरक्षण होता है, उसे गायत्री कहते हैं। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने अपने चार मुखों से गायत्री के चार भागों का व्याख्यान चार वेदों के रूप में किया था। इसी कारण गायत्री को वेद माता कहते हैं। यह गायत्री मंत्र भारतीय संस्कृति, धर्म एवं तत्वज्ञात का बीज है।

त्रियदा गायत्री

गायत्री वैदिक संस्कृत का एक छंद है, जिसमें आठ-आठ अक्षरों के तीन चरण कुल 24 अक्षर होते हैं। 'ॐ भूर्भुव: स्व:' यह गायत्री का शीर्ष कहलाता है। शेष आठ- आठ अक्षरों के तीन चरण हैं। इन्हीं तीन चरणों के कारण गायत्री को त्रियदा कहा जाता है। एक शीर्ष तथा तीन अन्य चरण इस प्रकार उसके चार भाग बने। इन चारों चरणों का रहस्य ही वेदों में वर्णित किया गया है।

मंत्र का भावार्थ

ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्य भर्गो देवस्य धीमहि। धियों योन: प्रचोदयात्

प्रत्येक वेदमंत्र के प्रारंभ में ॐ का प्रयोग किया जाता है। ॐ कार ईश्वर का द्योतक है। गायत्री मंत्र में भी ॐ कार का प्रयोग इसी कारण से हुआ है। 'भू:र्भुवस्व:' यह तीन लोक हैं। अध्यात्म में भू: स्थूल शरीर के लिए, भुव: सूक्ष्म शरीर के लिए तथा स्व: कारण शरीर के लिए प्रयु त किया गया है। बाहरी जगत और अंतर के तीनों लोकों में ॐ कार अर्थात ईश्वर सर्वव्याहृश्वत है। व्याहतियों में इसी तथ्य का प्रतियादन है। 'तत्' का अर्थ है वह। 'सवितु' का भावार्थ है- प्रकाश तथा ऊर्जा से ज्ञात तथा वर्चस से ओतप्रोत परमेश्वर।

'वरेण्य:' का भावार्थ है श्रेष्ठ, तेजस्वी, विनाशक, देव। इन चार श दों में परमब्रह्म परमात्मा के उन गुणों का वर्णन है, जो अध्यात्मवादी अपनाने का प्रयत्न करते हैं। भर्ग शब्द तेजस्विता का बोधक है। इस शब्द में प्रतिभा साहसिकता, तत्परता, तन्मयता जैसे तत्वों का समावेश है। भर्ग का एक भाव नष्ट करना भी है। अनैतिकता, अवांछनीयता जैसी दुष्प्रकृतियां अगर मनुष्य को घेरे रहें, तो मनुष्य माया व पतन के गर्त में फंस जाता है। इससे छुटकारा पाने के लिए ऐसी प्रखरता का उद्भव होना चाहिए, जो अंतर के कष्टों तथा भीतर के कल्मषों से छुटकारा दिला सके।

सविता, वरेण्यं, भर्ग के उपरांत चौथी विभूतिमत्रा का नाम है देव। ईश्वर को देव श द से संबोधित करने का मतलब यह है कि हम ईश्वर के परम भक्त बनें तथा उसके देवत्व की विशेषता में अनुगमन करें।

'धीमहि' शब्द का अर्थ है धारण करना। आदर्शों को व्यवहार में उतारना ही उनकी धारणा है। ईश्वर दयावान, सदा प्रसन्न चित्त, धैर्यवान, क्षमावान व सदा आनंदित रहने वाले हैं। सुख-दुख से निरलेप हैं। उनके इन्हीं गुणों को धारण करना चाहिए। प्रथम चरण में सविता तथा वरेण्यं की तथा द्वितीय चरण में भर्ग तथा देव की अवधारणा का प्रशिक्षण है। गायत्री के अंतिम तृतीय चरण 'धियों यो न: प्रचोदयात्' के अंतर्गत परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई है कि साधक अकेले नहीं, बल्कि समस्त जन समुदाय में, प्राणिमात्र में 'धी' तत्व की वृद्धि करे। 'न:' हम सबको और 'धिय:' वृद्धियों को कहते हैं, इसमें ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि अपनी अनुग्रह वर्षा करें।

उपासना का उद्देश्य

गायत्री उपासना का उद्देश्य है व्यक्ति में ऐसे तत्व का विकास करना, जिससे उस पर परमात्मा की कृपा हो सके। गायत्री मंत्र के जाप से दैविक व भौतिक साधनों की प्राप्ति होती है। व्यक्ति मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर होता है। उपजाऊ भूमि में ही वर्षा के बादलों के अनुग्रह से हरियाली उपजती है। कठोर चट्टानों पर तो एक पत्ता भी नहीं उगता। गायत्री उपासक अपना पूरा ध्यान आत्मपरिष्कार में लगाता है। गायत्री मंत्र के प्रभाव स्वरूप मनुष्य तामसी प्रवृत्तियों से मुक्त होकर परमपिता परमेश्वर से एकीकार होने के मार्ग पर अग्रसर होता है।

उपासना की विधि

- स्नानाआदि से निवृत होकर सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करके गायत्री मंत्र का जाप करने से बुद्धि ते । होती है।
- पुष्प व मीठा नेवेद्य अर्पित करके ऊनी या कुशासन पर बैठकर तुलसी या रूद्राक्ष की माला पर जाप करें।
- गायत्री मंत्र धर्म व अर्थ दोनों की वृद्धि करने वाला है।
- जाप करने से शरीर आरोग्य रहता है। काया के कष्ट मिटते हैं।
- लगातार जाप करने से मोक्ष की प्राह्श्विवत होती है
- विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। इससे याददाश्त बढ़ती है तथा माता सरस्वती की कृपा से ज्ञान में वृद्धि होती है।

दुख नाशक चौपाइयां

संपदा प्राप्ति के लिए
जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं
सुख संपति नाना विधि पावहि।

आमदनी के लिए
विश्व भरन-पोषन कर जोई
ताकर नाम भरत अस होई

कार्य विध्न हरण के लिए
सकल विघ्न व्यापहिं नाहिं तेही
राम कृपाकर चितवहिं जेही।

संकट नाश के लिए
दीन दयाल विरद संभारी
हरहु नाथ मम संकट भारी

रोग शांति के लिए
दैहिक दैविक भौतिक तापा
राम राज काहु नहिं व्यापा

ग्रह शांति के लिए
नाम प्रभाउ जान सिव नीको
कालकूट फलु दीन अमी को

मनोकामना पूर्ति के लिए
सुनु सिय सत्य असीस हमारी
पूजहिं मनकामना तुम्हारी।

रक्षा कवच के लिए
मामभिरक्षय रघुकुल नायक
घृत वर चाप रुचिर कर सायक।

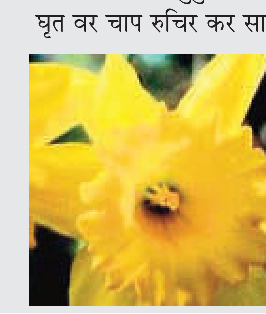

चिली खाने से उग्र होगा मंगल

रसोई अग्नि का स्थान है, मंगल अग्नि का ग्रह है इसलिए मंगल का वास रसोई में होता है। इसके साथ ही मिर्च,मसाला, गैस, कैरोसीन, छुरी, कांटा, स्टील के बर्तन, नमक, सूखे मेवे, प्याज व लहसुन इत्यादि भी मंगल के अधीन हैं।

जिस घर में अधिक मिर्च-मसाले वाला भोजन बनता हो या फिर मिर्च-मसाला अत्याधिक मात्रा में इस्तेमाल होता हो तो इससे यह समझा जा सकता है कि यहां मंगल की उग्रता अधिक है। मंगल को शांत करने के लिए मिर्च-मसाले का भोजन में प्रयोग बहुत ही संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मसाले व तीखे भोजन की वजह से उग्र मंगल अग्निभय, फूड प्वाइजनिंग, जख्म, दुर्घटना इत्यादि तक करा सकता है।

यह तो हुई वास्तु की बात, मगर ज्योतिष में किसी जातक की कुंडली में मंगल की स्थिति देख कर उसे वास्तु संबंधी उपाय बताए जाते हैं और वे उपाय बड़े कारगर होते हैं। उदाहरणार्थ यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल कमजोर है या नीच का है तो उसे रसोई में बैठ कर भोजन करना चाहिए। इससे उसके कमजोर मंगल को ताकत मिलेगी। इससे जातक मंगल से होने वाले नुक्सान से बच सकेगा। मंगलधैर्य, क्रियाशील, रचनात्मक क्षमता और अधिकार देने वाला ग्रह है। यदि रसोई के ठीक बगल में शौचालय है तो यह स्थिति ठीक नहीं है क्योंकि शौचालय में राहु का वास होता है इससे मंगल और राहु एक साथ हो जाते हैं।

राहु और मंगल के साथ होने से फूड प्वाइजनिंग और चोट-चपेट लगने का भय रहता है। एक बात यह भी देखीगई है कि अगर कुंडली में मंगल गड़बड़ स्थिति में हो तो उस जातक के घर के रसोई भी गड़बड़ होती है। गलत रसोई में में बनाया गया भोजन खाने के बाद एसिडिटी और पेट के रोग अधिक होने की आशंका रहती है। रसोई में डस्टबिन की सफाई बहुत जरूरी है। चूंकि कूड़ा राहु के अंतर्गत आता है इसलिए मंगल के स्थान पर राहु की वस्तु रखना टीक नहीं है। समय-मसय पर रसोई से कूड़ा हटाते रहना चाहिए। कभी भी रसोई घर में झाड़ू नहीं रखना चाहिए।

घरों में पत्थर लगाने का चलन बहुत बढ़ गया है। वास्तुशास्त्र के अनुसार ये पत्थर नकारात्मक ऊर्जा में वृद्वि करते हैं...

घर में पत्थर लगा हो तो...

पत्थर के बने मकान, दीवार या स्टोन पिलर का प्रतिनिधित्व म ंगल ग्रह करता है। शनि और राहु ग्रह मंगल के शत्रु होते हैं। ऐसे में निश्चित समझना चाहिए कि जब शनि दुश्मन बना हुआ हो, तोऐसे मकानों में रहने वाले या उपयोग में लेने वाले सुखी रह ही नहीं सक ते। उसी प्रकार छाया ग्रह राहु भी वहां रहने वालों के लिए शुभ नहीं माना जाता है। यदि ऐसे पत्थरों से बने मकानों में अंधेरा हो, तो वहां भूत-प्रेत निवास करना पसंद करते हैं या यूं कहे कि ऐसे घरों में इतनी ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो जाती है कि वहां भूत-प्रेत होने का अहसास होता है। एक बात याद रखनी चाहिए, अगर कोई आदमी वास्तु के अनुसार बने भवन में रहता है, उसके ग्रह निर्बल हों, तो भी उसका जीवन सामान्य ढंग से सुख-शांति से व्यतीत होता है।

पत्थर अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है और मिट्टी बुध का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसे में पत्थर अहंकारी बनाता है और मिट्टी धार्मिक पवित्रता प्रदान करती है। वे मकान, जिन्हें पत्थरों को मिट्टी से जोड़कर बनाया जाता है, वहां बुध और मंगल के प्रभाव का मिला-जुला रूप देखने को मिलता है। यदि किसी घर के सामने पत्थर का बना आशियाना हो, तो उस घर में रहने वाला परिवार कभी भी किसी भी तरह तरक्की नहीं कर सकता। उनके बच्चों को पढ़ाई में बहुत विघ्न, बाधाएं आती हैं। यदि पत्थरों से बना आशियाना पुराना, क्षतिग्रस्त या टूटा-फूटा हो, तो उसमें रहने वालों के साथ-साथ आसपास के घरों में रहने वाले भी अभाग्य का शिकार होते हैं।

यदि किसी घर के ठीक सामने कोई बड़ा पत्थर या स्टोन पिलर हो, उस घर का मुखिया लड़ाई-झगड़ा पसंद करने वाला, आगे बढ़कर दुश्मनी मोल लेने वाला होता है। यदि कोई बड़ा पत्थर घर के मुख्यद्वार के एकदम सामने आता हो, ऐसे घर में रहने वाले दंपत्ति के आपसी संबंधी सौहार्दपूर्ण नहीं रहते। किसी घर में बड़ा पत्थर हो या बड़े पत्थर का बना कोई स्लैब हो या घर के सामने छोटी पहाड़ी हो, ऐसी स्थिति में उसका मुखिया उसके बच्चे भय में रहते हैं। कई

वास्तु शास्त्र

मकान बहुत सुंदर बनाए जाते हैं, पर बचत के लिए मकान और चारदीवारी के बीच में पत्थर के स्लैब लगाए जाते हैं। ऐसे घरों में रहने वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। व्यवसाय और व्यापार में भी सफलता नहीं मिल पाती।

यदि कोई भवन या उसकी कंपाउंड वाल पत्थरों से बनी हो, तो इस दोष को दूर करने का एकमात्र उपाय है कि उसे सीमेंट या मिट्टी से ढंक देना चाहिए अर्थात प्लास्टर कर देना चाहिए।

उपाय शनि देव के

जन्म कुंडली में यदि षष्ठेश, अष्टमेश या द्वादश शेष हों या द्वितीयेश-सप्तमेश होने के कारण मारकेश हों तो कष्टकारक होते हैं। व्यक्ति को शनि की महादशा, अंतर्दशा या अशुभ गोचरीय परिभ्रमण ढय्या-साढ़ेसाती के समय प्रतिकूल फल देते हैं। इससे बचने के लिए आप इनमें से कोई एक उपाय कर लें। इससे अशुभ फलों में कमी आएगी-

- काले घोड़े की नाल की अंगूठी दायें हाथ की मध्यमा अंगुली में पहनें या काले कुत्ते को सायंकाल रोटी खिलाने से भी लाभ मिलेगा।
- शनिवार को शनि स्त्रोत का पाठ करें। शनिवार का व्रत भी रखें तो ज्यादा अच्छा है।
- शनि के वैदिक मंत्र (शन्नौदेवीरभिष्टयादि) या तांत्रिक मंत्र (ऊं प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:) की दो माला प्रतिदिन जपें।
- शनिवार को पीपल के वृक्ष को सींचें, वृक्ष यदि मंदिर परिसर में हो तो ज्यादा अच्छा है।
- हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। हनुमान चालीसा, सुंदरकाण्ड का पाठ या हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाएं। शनिवार या मंगलवार का व्रत कर सकते हैं।
- शनि ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान अपनी सामर्थ्य के अनुसार समय-समय पर करें। (काले तिल, उड़द, कुलथी, खाद्य तेल, क ाला वस्त्र, छात्रा कम्बल, जूते-चप्पल, लोहे की वस्तुएं, स्टील के बर्तन आदि)।
- काले या गहरे नीले रंग के कपड़ों का प्रयोग यथासंभव नहीं करें। शनि की वस्तुओं का दान ग्रहण नहीं करें।

सूर्य को अर्घ्य दें तथा आदित्य हृदय स्त्रोत्र का पाठ करें।

- कोई नया कारोबार, जोखिम वाला काम, ज्यादा रकम का इन्वैस्टमेंट
- आदि नहीं करें।

इसके अतिरिक्त सात्विक आहार-विहार, विनम्र व्यवहार, क्रोध पर नियंत्रण, लोभ-लालच से परहेज, अच्छी संगति, सकारात्मक विचार, परोपकार, शरीर और मन की पवित्रता, ईश्वर भक्ति स्वाध्याय आदि से समस्त ग्रहों के अशुभ प्रभाव समाप्त होते हैं जिनमें शनि भी शामिल है।

आपकी कार का रंग

यदि आप कार खरीदने जा रहे हैं, तो उसके रंग का चयन अपनी शुभता के अनुसार करें। जन्म कुंडली के चतुर्थ भाव और चतुर्थेश पर पड़ने वाले ग्रह योगों से आप अपने वाहन के रंग के बारे में जान सकते हैं।

आपके वाहन का रंग किस प्रकार का होगा, इसका निर्णय करने के लिए चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर जिस ग्रह का प्रभाव हो, उससे संबंधित ग्रह के अनुसार वाहन के रंग का निर्णय करें। यदि सूर्य या मंगल का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर प्रभाव हो, तो लाल रंग का वाहन यदि चंद्रमा एवं शुक्र का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर हो, तो हरे एवं आसमानी रंग का वाहन, यदि गुरु का प्रभाव वाहन से संबंधित भाव एवं भावेश पर हो, तो पीले रंग का वाहन, यदि शनि का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर युति अथवा दृष्टि के द्वारा हो, तो नीले गहरे रंग वाली कार लें। चंद्र एवं शुक्र के प्रभाव के साथ ही अन्य ग्रह का प्रभाव होने पर वाहन का रंग हल्का एवं चमकीला लें।

अंतरदशाओं से ज्वर

ज्वर (बुखार) के कई भेद व उपभेद हैं। यह व्याधि सामान्य होती है, किंतु परिणाम कई बार भयावह हो जाते हैं। सूर्य, चंद्र, बुध व शनि ज्वर के प्रमुख कारक ग्रह हैं। नीच के सूर्य व नीच के ही चंद्रमा की महादशा में या केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा अथवा शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा में बुखार या ज्वर भयानक रूप ले लेता है।

ज्योतिषीय कारण : गुणाकर, वराहाचार्य, श्रीपति आदि ने माना है कि सूर्य, चंद्र एवं बुधशनि प्रधान रूप से ज्वर के कारक ग्रहों में होते हैं। नीचस्थ सूर्य व नीचस्थ चंद्र की महादशा में अथवा केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा या शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा हो तो जातक बुखार से जकड़ जाता है।

कौन सा ज्वर : ज्योतिष का मत है कि लग्नेश व षष्ठेश सूर्य युक्त हो तो जातक को ज्वर का भय होता है। षष्ठ व अष्टम में सूर्य हो या अष्टम में चंद्रमा राहु युक्त हो, अष्टमेश चंद्र या राहु या केतु युक्त हो तो तो चौथिया (चार दिन के अंतराल वाला) ज्वर होता है। लग्न में मंगल व अष्टमेश में सूर्य हो तो दाह ज्वर होता है। चंद्रमा शीत कफ ज्वर, बुध पित्त ज्वर व शनि वात ज्वर के कारक ग्रह हैं।

अनुभूत कारण : निरंतर या आए दिन ज्वर से पीड़ित रहने वाले कई जातकों की कुंडलियों में देखा गया है कि जब उनके राहु में बुध की अंतरदशा चली तो वह बुखार, टाइफाइड व अन्य ज्वरों से लगातार परेशान रहा और आर्थिक तथा घरेलू मुश्किलों से त्रस्त हो गया।

ज्योतिषीय उपचार : जातक की कुंडली व दशा-अंतरदशा पर विचार करने के बाद जिस ग्रह के कारण ज्वर हो रहा हो, उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान और मंत्र जाप आदि करना चाहिए। जातक स्वयं करे तो बेहतर और यदि किसी कारण से स्वयं नहीं कर सके तो घर का अन्य व्यक्ति उसके नाम से दान व मंत्रों का जाप कर सकता है। ज्वर पीड़ित के कक्ष में निरंतर गुग्गुल की धूप और संबंधित ग्रह की मंत्र ध्वनि लाभकारी होती है।

सुंदर के साथ शुभ भी होते हैं निशान

बाएं पैर की पहली और आखिरी उंगली फड़के तो आपको लाभ होगा। दाएं पैर की उन्हीं उंगलियों का फड़कना अशुभ होता है। पांव की पिंडली शनि और बुध नक्षत्र के अधीन आती है। इसके फड़कने से काम में बाधा आती है और यह शत्रु के पैदा होने का संकेत है। दायां घुटना फड़के तो अशुभ और बायां फड़के तो शुभ होता है।

बायां पांव फड़कना : शुभ होता है। दायां पांव फड़कने से मुसीबतों का अंत होता है। बाईं जांघ के फड़कने से दोस्त से सहायता मिलती है, जबकि दाईं जाँघ फड़कने से शत्रु शांत होते हैं। दाएं हाथ का अंगूठा फड़कने से शुभ समाचार मिलता है, जबकि बायां फड़के तो नुक्सान होता है।

शरीर के तिल या मस्से : उनका संबंध शनि व राहु से माना जाता है। शनि धीरे-धीरे फल प्रदान करता है और राहु अचानक ही शुभ या अशुभ फल दे देता है।

दाएं गाल पर तिल : शुभ होता है। ठुड्डी पर तिल प्यार में कमी का सूचक है।

दाईं आंख पर तिल : खूब प्यार मिलता है। बाईं आंख पर तिल होने से प्यार में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। भौंहों पर तिल होने से घूमने-फिरने के मौके मिलते हैं। बांह पर तिल होना हमेशा शुभ माना जाता है। गाईं बांह पर तिल हो तो अपार धन मिलता है। बाईं तरफ हो तो धन के साथ-साथ पुत्र की प्राप्ति होती है। होंठ पर तिल व्यक्ति के लालची स्वभाव दर्शाता है।

गले पर तिल : ऐसे जातक की धार्मिक कार्यों में अधिक रूचि होती है। कान पर तिल होने से धन मिलता है। गर्दन पर तिल आलस्य की निशानी है। अंगूठे पर तिल उत्तेजना की निशानी है। ऐसा व्यक्ति स्वभाव से तेज मिजाजा का होता है।

5 तरीके जो आपकी पर्सनालिटी में लगा दे चार चांद

हर कोई चाहता है वह अच्छा दिखे। ऐसे में पुरुष अगर इन पांच बातों को ध्यान में रखेंगे तो उनकी पर्सनैलिटी और भी निखर जाएगी।

1. बदलें हेयरस्टाईल

किसी भी आदमी को अट्रैटिव बनाती है उसकी हेयरस्टाईल। आप अगर अपने बालों पर ध्यान देंगे तो आपकी पर्सनैलिटी और निखर कर आती है। समय-समय पर अपनी हेयरस्टाईल बदलते रहें, ताकि नया और फ्रेंश महसूस कर सकें। इसके लिए आप अपने चेहरे के हिसाब से बालों को लुक दे सकते हैं। ध्यान रहे ऐसी हेयरस्टाईल न बनाएं जो आपकी पर्सनैलिटी से मैच न करता हो।

2. पौष्टिक आहार

कहते हैं पेट स्वस्थ, तो शरीर स्वस्थ। आपका खानपान आपकी पर्सनैलिटी पर गहरा असर डालता है। पौष्टिक आहार लेंगे तो शरीर हमेशा चुस्त-दुरुस्त रहेगा। वहीं ऑयली खाना खाने से यह आपके शरीर पर अतिरिक्त वसा तो जमाएगा ही, साथ ही आपकी सेहत पर भी बुरा असर डालेगा।

3. मुस्कान हो आकर्षक

हंसता हुआ चेहरा देखकर कोई भी इंप्रेस हो सकता है। जितना संभव हो, खुद को प्रसन्न रखें। इसके अलावा अपनी स्माइल को खुशनुमा बनाने के लिए दांतों की देखभाल करना भी जरूरी है। दांतों की सफाई समय-समय पर करते रहें। और किसी से भी मिलते समय सिर को नीचे झुकाए बिना, सामने देखते हुए मुस्कुराएंगे तो आप किसी को भी इंप्रेस कर सकते हैं।

4. ड्रेसिंस सेंस हो खास

कपड़ों का भी व्यक्तित्व पर काफी प्रभाव पड़ता है। कपड़े साफ-सुथरे और धुले होंगे, तो आपकी छवि सकारात्मक बनेगी। इसके अलावा किस समय और किस जगह कौन से कपड़े पहनने हैं, इतना ड्रेसिंस सेंस जरूर होना चाहिए।

5. एसेसरीज देती हैं फाइनल टच

अच्छी ड्रेस पहनने के बाद सिर्फ एक चीज बचती है, वो है एसेसरीज। रिस्ट वॉच से लेकर बेल्ट और जूते तक, यह सभी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा देते हैं। इसलिए जरूरी है कि एसेसरीज कैरी करते समय सावधानी रखें। जो आप पर सूटेबल हो, उसे ही पहनें।

इन 10 तरीकों से बुक करेंगे होटल तो बचा सकेंगे पैसे

अक्सर देखा जाता है कि बहुत की रिजर्वेशन वाली वेबसाइट कई तरह के बेस्ट प्राइस बुकिंग ऑफर्स देती हैं। जबकि हकीकत में ये वेबसाइट ग्राहकों की जेब पर लोड डालती हैं। एक तरह से बिचौलिए की भूमिका में होती हैं। ऐसे में बेहतर होगा डायरेक्ट होटल की वेबसाइट से बुकिंग कराएं।

यह टेक्निक भी मजेदार

यह तकनीकि हमेशा तो नहीं लेकिन ज्यादातर काम कर सकती है। अगर आप अगली वैकेशन के लिए प्लान कर रहे हैं तो पहली रात के लिए होटल में हायर प्राइस में रूम बुक करें। इसके बाद अगली रात के लिए लो प्राइस में बुकिंग कराएं। ऐसे में अगर दूसरे दिन होटल पूरा भरा नहीं हैं तो वे आपको उसी हायर प्राइस वाले रूम में लो प्राइस में रुकने के लिए बोल देंगे। इससे उनकी क्लिनिंग कॉस्ट बचती है।

प्रोमो कोड

यह आइडिया काफी इफेक्टिव होगा। कुछ भी करने से पहले सबसे पहले इंटनेट पर एक प्रोमो कोड ढूंढ ले। यह आपकी ट्रिप में काफी काफी मददगार होगा। इसके जरिए आप होटल, शहर और तारीख के जरिए बुकिंग आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

छूट के लिए पात्र हैं या नहीं

सबसे पहले ये देखना जरूरी होता है कि आपको डिस्काउंट मिलेगा या नही। इसके लिए आपको इस पर ध्यान देना होगा कि आप जिस कंपनी में काम कर रहे हैं उसके आधार पर आपको छूट मिलेगी या नही। अधिकांश कंपनिंयों के टूर वाले कर्मचारियों को होटल्स में डिस्काउंट ऑफर मिलते हैं।

पैकेज डील पहले देख लें

कभी कभी होटल और हवाई सफर अलग अलग बुक कराने से सस्ता पड़ता है। वहीं कई बार ये एक साथ कराने में और ज्यादा सस्ता पड़ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि होटल बुकिंग से पहले आप बुक नाऊ पर क्लिक करके इन दोनों में तुलना जरूर कर लें।

क्रेडिट कार्ड का उपयोग करें

होटल बुकिंग में कोशिश करें कि किसी ऐसे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करें जो होटल से ही संबद्ध हो। इससे आपको होटल की तरफ से रिजर्वेशन फीस से लेकर अन्य कई चीजों में छूट का लाभ मिलेगा।

ट्रैवल मिडवीक की कोशिश करें

कोशिश करे कि आप सफर पर सप्ताह के बीच में निकले क्योंकि? इन टाइम पीरियड में होटल आसानी से उचित दामों में मिल जाते हैं। कई होटल सप्ताहांत की तुलना में सप्ताह के बीच में बेहतर मूल्य पर रूम देते है क्योंकि इस टाइम भीड़ कम होती है।

ट्रैवल एजेंट की मदद लें

ट्रैवल एजेंटों के पास बहुत से विशेष ऑफर होते हैं। जो एक आम इंसान को नहीं मिल सकते हैं। ऐसे में होटल बुकिंग में उनकी सलाह काफी मायने रखती है। वे आपको सलाह दे सकते हैं कि आपके लिए किस प्रकार का यात्रा बीमा सबसे अच्छा हो सकता है।

लो सीजन में बुकिंग

अगर आपको यह फर्क नहीं पड़ता है कि आप किस सीजन में यात्रा कर रहे हैं। ऐसे में लो सीजन काफी अच्छा साबित हो सकता है। इस टाइम पीरियड में शाम के समय जल्दी होटल में रूम बुक कराने पर कम पैसे में बुकिंग हो जाती है क्योंकि उस समय रूम खाली होते हैं।

रिजर्वेशन वाली वेबसाइट

अधिकांश लोगों को लगता है कि होटल में कॉलिंग के जरिए उनके यहां के रेट पूछे जा सकते हैं। जब कि इसकी अपेक्षा अगर रिजर्वेशन वाली वेबसाइट पर जाकर वहां पर होटल की बुकिंग कंफर्म करे तो बेनफिट्स मिल सकते हैं। इससे यहां पर आपको अच्छे प्राइस पर होटल मिल सकते हैं।

बरसात में गीले कपड़ों को सूखाने के आसान तरीके

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी गीले कपड़ों की वजह से होती है क्योंकि कपड़े धोने के बाद उन्हें धूप नहीं मिलती और अंदर ही सूखाने के लिए डालना पड़ता है। ऐसे में धुले हुए कपड़े अच्छे से सूख नहीं पाते और उनमें से बदबू आने लगती है। इसके लिए मानसून में कुछ आसान तरीके अपनाकर गीले कपड़ों को अच्छी तरह सूखा सकते हैं।

अच्छे से निचोड़ें

कपड़ों को धोने के बाद उन्हें अच्छे से निचोड़ कर मशीन में दो बार ड्रायर करें जिससे कपड़े ज्लदी सूख जाएंगे।

सिरका और अगरबत्ती

जिस कमरे में कपड़े सूखने के लिए डालें वहां कोने में एक खूशबूदार अगरबत्ती जला कर रख दें। इसके धूएं से एक तो कपड़ों में से सीलन की बदबू दूर होगी दूसरा वे जल्दी सूख भी जाएंगे। इसके अलावा कपड़े धोते समय पानी में 2 चम्मच सिरका मिला दें।

हैंगर का इस्तेमाल

कपड़ों को अलग-अलग हैंगर में लटकाकर कमरे में सूखने के लिए रखें और खिड़कियां-दरवाजे खोल दें। इससे हवा कपड़ों के आर-पार आसानी से पहुंचेगी और वे जल्दी सूख जाएंगे।

नमक

कपड़ों के साथ कमरे में एक थैली में नमक भरकर रख दें जिससे नमक कपड़ों से मॉइश्चराइजर सोख लेगा और सूखने में मदद करेगा।

सुझाव

काम के साथ आंखों का रखें ख्याल

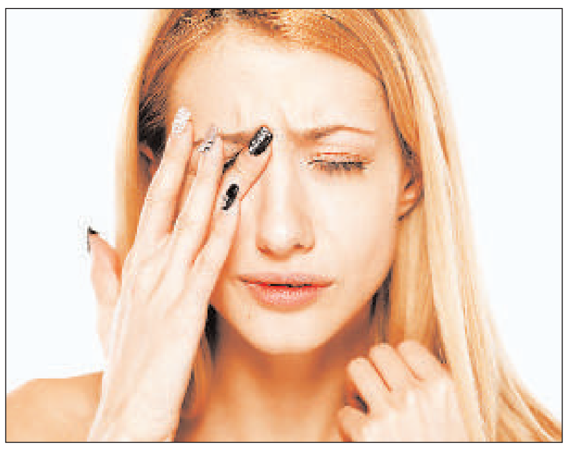

वर्तमान दिनचर्या में कंप्यूटर के बिना काम करना शायद असंभव है, लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं। घंटों कंप्यूटर के सामने बैठने के कारण इससे निकलने वाली नीली रोशनी से सबसे अधिक नुकसान आंखों को होता है। इसके कारण आंखों की रोशनी कम होती है। इसके अलावा लगातार कम्प्यूटर पर काम करने से आंखों में थकान, धुंधला दिखाई देना, सिर में दर्द और आंखों के आसपास काले घेरे की समस्या आम बात है। ड्राई आई सिंड्रोम भी घंटों कंप्यूटर के प्रयोग के कारण होती है। इसलिए काम के साथ-साथ आंखों का भी ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अंधेरे में काम न करकें: कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप हों वहां पर अंधेरा या कम रोशनी न हो। आपके कमरे की रोशनी कंप्यूटर स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी से कम न हो। अगर कमरे में अंधेरा होगा या कमरे की रोशनी कम होगी । तो कंप्यूटर से निकलने वाली किरणें आंखों को अधिक प्रभावित करेंगी।

कंप्यूटर से आंखों की दूरी: काम करते वक्त अपनी कुर्सी की ऊंचाई को कम्प्यूटर के हिसाब से ही रखें। कंप्यूटर को अपनी आंखों से 30 सेमी की दूरी पर रखें।

पलकों को झपकाते रहें: काम के दौरान पलकों को झपकाते रहें, इससे आंखों की नमी बरकरार रहेगी और आंखे सूखेंगी नहीं। लंबे समय तक पलक नहीं झपकाने से आंखों से पानी बहने लगता है।

काम के बीच ब्रेक लें: अगर आप लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं । तो बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। कोशिश करें कि 30-40 मिनट के बाद अपनी नजर को दूर किसी वस्तु पर ले जायें, अपने से लगभग 20 फिट की दूरी पर दूसरी वस्तु को देखें। एक घंटे तक काम करने के बाद 10 मिनट के लिए कंप्यूटर की स्क्रीन बंद कर दें।

हेल्दी स्नैक लेते रहें: आंखों को स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ आहार का सेवन बहुत जरूरी है। खाने में विटामिन ए, ई और सी को जरूर शामिल करें। ये आंखों के लिए आवश्यक हैं। दूध और दूध से बने पदार्थ, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, पपीता, गाजर विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं, इनको अपने आहार में शामिल करें। काम के बीच में भी स्वस्थ और विटामिन युक्त हेल्दी स्नैक लेते रहें।

आंखों के व्यायाम: काम के बीच में आंखों में थकान हो जाती है, इससे बचाने के लिए काम के दौरान ही आंखों के व्यायाम कीजिए। अपनी हथेली और उंगली से आंखों को बंद करके उन पर मालिश करें। बीच-बीच में आंखों की पुतलियों को चारों ओर घुमाएं। इससे आंखों को आराम मिलता है। बीच-बीच में पानी के छींटे भी मार सकते हैं।आंखों को स्वस्थ रखने के लिए भरपूर नींद जरूरी है, कम से कम आठ घंटे की नींद लें, आंखों में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का ही प्रयोग करें। अपनी आंखों की नियमित रूप से जांच कराएं।

श्रावण मास की महत्ता और शिवजी को प्रसन्न करने के उपाय

श्रावण शिवजी का विशिष्ट प्रिय मास है। श्रद्धालु इस पूरे मास शिवजी के निमित्त व्रत और प्रतिदिन उनकी विशेष पूजा आराधना करते हैं। इस वर्ष के श्रावण मास में कुछ विशेष योग भी हैं। जैसे इस बार का श्रावण माह पांच सोमवार को है और यह माह सोमवार से शुरू होकर सोमवार को ही खत्म होगा। यह माह मनोकामनाओं का इच्छित फल प्रदान करने वाला है। आइए जानते हैं श्रावण मास की महत्ता, व्रत और पूजन की विधि तथा कैसे कर सकते हैं भगवान शिव को प्रसन्न।

महत्ता

सभी मास किसी न किसी देवता के साथ संबंधित हैं जिसके तहत श्रावण मास को भगवान शिव जी के साथ देखा जाता है। इस समय शिव आराधना का विशेष महत्व होता है। कहा जाता है कि यह माह आशाओं की पूर्ति का समय होता है। श्रावण अथवा सावन हिन्दू पंचांग के अनुसार वर्ष का पाँचवा महीना है, जो ईस्वी कलेंडर के जुलाई या अगस्त माह में पड़ता है। इस माह में अनेक महत्त्वपूर्ण त्योहार मनाए जाते हैं, जिसमें हरियाली तीज, रक्षाबन्धन, नागपंचमी आदि प्रमुख हैं। इस माह में पड़ने वाले सोमवार सावन के सोमवार कहे जाते हैं, जिनमें स्त्रियाँ तथा विशेषतौर से कुंवारी लड़कियां भगवान शिव के निमित्त व्रत आदि रखती हैं।

पूजन विधि

शिवजी की पूजा में गंगाजल के उपयोग को विशिष्ट माना जाता है। शिवजी की पूजा आराधना करते समय उनके पूरे परिवार अर्थात् शिवलिंग, माता पार्वती, कार्तिकेयजी, गणेशजी और उनके वाहन नन्दी की संयुक्त रूप से पूजा की जानी चाहिए। शिवजी के स्नान के लिए गंगाजल का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा कुछ लोग भांग घोंटकर भी चढ़ाते हैं। शिवजी की पूजा में लगने वाली सामग्री में जल, दूध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत, कलावा, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बिल्वपत्र, दूर्वा, फल, विजिया, आक, धूतूरा, कमल-गट्टा, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, पंचमेवा, धूप, दीप का इस्तेमाल किया जाता है।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार से इस व्रत को शुरू किया जाता है। प्रत्येक सोमवार को गणेशजी, शिवजी, पार्वतीजी की पूजा की जाती है। इस सोमवार व्रत से पुत्रहीन पुत्रवान और निर्धन धर्मवान होते हैं। स्त्री अगर यह व्रत करती है, तो उसके पति की शिवजी रक्षा करते हैं। सोमवार का व्रत साधारणतया दिन के तीसरे पहर तक होता है। इस व्रत में फलाहार या पारण का कोई खास नियम नहीं है, किंतु आवश्यक है कि दिन-रात में केवल एक ही समय भोजन करें। सोमवार के व्रत में शिव-पार्वती का पूजन करना चाहिए।

श्रावण माह में गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पंचाक्षर मंत्र इत्यादि शिव मंत्रों का जाप शुभ फलों में वृद्धि करने वाला होता है। श्रावण माह में भक्त शिवालय में स्थापित, प्राण-प्रतिष्ठित शिवलिंग या धातु से निर्मित लिंग का गंगाजल व दुग्ध से रुद्राभिषेक कराते हैं। शिवलिंग का रुद्राभिषेक भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। इन दिनों शिवलिंग पर गंगा जल द्वारा अभिषेक करने से भगवान शिव अतिप्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का दूग्धा अभिषेक एवं घृत से अभिषेक करने पर योग्य संतान की प्राप्ति होती है। ईख के रस से धन संपदा की प्राप्ति होती है और कुशोदक से समस्त व्याधि शांत होती है। दधि से पशु धन की प्राप्ति होती है ओर शहद से शिवलिंग पर अभिषेक करने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए आप इन कुछ बातों पर भी अमल कर सकते हैं-

« श्रावण मास में रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला से शिव मंत्र का जाप करें।
« पूजन के समय भगवान शिव को भभूती लगायें और अपने मस्तक पर भी भभूती लगायें।
« श्रावण मास में शिव चालीसा और आरती का पाठ करें।
« महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिए।
« श्रावण मास के सभी सोमवार को व्रत रखें।
« बेलपत्र, दूध, शहद और जल से शिवलिंग का अभिषेक करें।
« शिवलिंग पर केसर चढ़ाने से आप सौम्य होंगे।
« चीनी से शिवलिंग का अभिषेक करने से सुख और वैभव की प्राप्ति होगी और दरिद्रता चली जायेगी।
« शिवलिंग पर इत्र चढ़ाने से विचार और मन पवित्र होंगे।
« शिवलिंग का दही से अभिषेक करने से आने वाली परेशानियां दूर चली जाएंगी।
« घी से अभिषेक करने से शक्ति बढ़ेगी और शिवलिंग पर चंदन चढ़ाने से आपका यश बढ़ेगा।

रेसिपी

छेने की खीर

सामग्री

आधा कप छेना
आधा लीटप फुल क्रीम दूध
बारीक कटे और उबले 10 बादाम और पिस्ता
1 छोटी इलायची
एक चौथाई चम्मच सिट्रिक एसिड
स्वादानुसार चीनी
5-6 किशमिश

विधि

सबसे पहले एक नॉन स्टिक पैन में दूध डालकर गर्म करें फिर इसमें छेना डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। जब दूध में उबाल आए तब इसमें चीनी डालकर चलाते रहे और इसके बाद इसमें पिस्?ते, किशमिश, छोटी इलायची और बादाम डालकर अच्छी तरह से धीमे से मिला लें। और फिर सिट्रिक एसिड मिलाएं और इसे गैस से उतार लें। और ठंडा होने दें। थोड़ा ठंडा होने पर इसे आधा घंटे के लिए फ्रिज में रखें। दें। इसे बाद ठंडी-ठंडी टेस्टी खीर सर्व करें।

केसर बादाम कुल्फी

सामग्री

आधा कप दूध
दो कप कंडेस्ड मिल्क
आठ चम्मच क्रीम
दो कप बारीक कटा हुआ बादाम
एक चम्मच साबुत बादाम
दो-तीन धागे केसर

विधि

सबसे पहले एक बाउल में बादाम, क्रीम और कंडेंस्ड मिल्क को अच्छी तरह से फेंटकर इसका गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसके बाद एक पैन में दूध गाढ़ा होने तक उबाले और उसमें केसर डाल दें। जब केसर का रंग दूध में आ जाएं, तो गैस बंद कर दें। और इसे ठंडा होने दीजिए।इसी बीच आप एक तवे में साबुत बादाम को सूखा ही भून लें और बारीक काट लें। इसके बाद केसर युक्त दूध ठंडा हो गया है इसको पहले से तैयार किया हुआ पेस्ट इसमें मिला दें। साथमें कुछ बादाम इसमें मिला दें और कुछ गार्निश के लिए अलग रख दें। इसके बाद इसे कुल्फी के सांचे में डालें और ढक्कन लगाकर इसे लगभग 4 घंटे के लिए फ्रीजर में रख दें। 4 घंटे बाद इसे फ्रीजर से निकाल लें और भूने बादाम और केसर से गार्निश कर ठंड़ी-ठंड़ी सर्व करें।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

संपादकीय

साइबर अपराधियों का शिकंजा

संयुक्त राष्ट्र की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए। निश्चित रूप से डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते अपराधों के चलते ऐसे मामलों में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दरअसल, डिजिटल अरेस्ट में अपराधी ऑडियो व वीडियो कॉल के जरिये पुलिस, अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी, अदालत के कर्मचारी तथा सरकारी अधिकारी बनकर पीड़ितों को इतना आतंकित करते हैं कि वे भयभीत होकर अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लुटवा बैठते हैं। बीते साल भी अंबाला के एक ऐसे ही जोड़े के पत्र के आधार पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था। हाल में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में भारतीयों ने विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के मामलों में 22,845 करोड़ रुपये गंवा दिए। इस दौरान साइबर अपराध की करीब 22 लाख घटनाएं सामने आई थीं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस तरह के अपराधों से निपटने के लिये किए जा रहे बहुआयामी प्रयासों को एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान किया जाए। निश्चित रूप से साइबर अपराध अब कभी-कभार होने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं। आज यह लगातार परेशान करने वाली हकीकत है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑटोमेशन की सहायता से साइबर अपराधी नित नये और जटिल तरीकों से लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाने का काम कर रहे हैं। इस संकट से निपटने में हमारी बैंकिंग व्यवस्था व नियामक वित्तीय अनुशासन बनाने वाली संस्थाएं कामयाब नहीं हो पा रही हैं। जैसे-जैसे प्रवर्तन एजेंसियां व पुलिस साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने की कोशिश में नई तकनीकों का उपयोग करते हैं, साइबर अपराधी नये तौर-तरीकों के जरिये और आगे निकल जाते हैं। निस्संदेह, यह एक कठिन चुनौती है, जिसके लिये हमें बचाव और तत्काल कार्रवाई की मजबूत रणनीति बनानी होगी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सिस्टम की किसी कमी का अपराधी कैसे आसानी से लाभ उठा जाते हैं। विडंबना यह भी है कि साइबर अपराध के नए रूप रातों-रात सामने आ जाते हैं। जब तक हम धोखाधड़ी का तुरंत पता लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम नहीं बनाते, हमारा वित्तीय कामकाज अक्सर साइबर अपराधियों के निशाने पर बना रहेगा। कुछ समय पहले नूह और गुरुग्राम में बड़ी संख्या में साइबर अपराधियों का पता चला था। लेकिन आज अधिक संगठित साइबर धोखाधड़ी करने वाले वाले नए इलाकों का पता चल रहा है। इसमें कई अपराधी तो ऐसे हैं जिन्होंने कोई औपचारिक शिक्षा तक नहीं ली है। लेकिन वे पूरे देश में सीधे-सादे लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। बीते साल तीन सौ से अधिक संदिग्धों की गिरफ्तारी के बावजूद साइबर अपराधियों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है। बड़े पैमाने पर की गई सख्त कार्रवाई से भी अपराधियों में किसी तरह का भय न होना बताता है कि इस तरह के अपराधियों से निबटने के लिये असरदार जवाबी रणनीति बनाने की जरूरत है। जिसके अंतर्गत अपराधियों के लिये सख्त सजा का प्रावधान हो। अब यह धारणा बन रही है कि डेटा आधारित व्यवस्था में साइबर जोखिमों से बचना कठिन है।

2025 में एशिया प्रशांत क्षेत्र के नागरिकों को साइबर ठगी और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जरिये साइबर अपराधियों ने 114 अरब डॉलर तक का नुकसान पहुंचाया है। यानी साइबर अपराधियों ने भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर एक समानांतर आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर दिया है। दरअसल, आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग करके साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक, क्रिप्टोकरेंसी व फर्जी निवेश के प्रलोभन तथा विदेशों में नौकरी के सब्जबाग दिखाकर लोगों को लूट रहे हैं। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। गाहे-बगाहे बुजुर्गों व सेवानिवृत्त अधिकारियों की जीवन-भर की जमा पूंजी लूटने के मामले भारत में प्रकाश में आते रहते हैं। दरअसल, पुरानी पीढ़ी डिजिटल दुनिया की जटिलताओं और प्रलोभनों से इन अपराधियों के बुने जाल में फंस जाती है। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि आपराधिक कानूनों में 'डिजिटल अरेस्ट' को औपचारिक रूप से परिभाषित किया जाए। साथ ही इसे कड़ी सजा वाले एक अलग अपराध के तौर पर घोषित किया जाए।

कुछ अलग

हमारे भारतरत्न

भारत वर्ष में जो भी पैदा हो गया, जो भी इसकी मिट्टी में खेल लिया, वही भारतरत्न है। मेरे पिता प्रारंभ से ही राष्ट्रवादी रहे, इसलिए उन्होंने मेरा नाम ही भारतरत्न रख दिया। इस नाम पर मैं आज गर्व से फूला नहीं समाता। एक तरफ भारतरत्न के लिए मारा-मारी मची हुई है, वहीं मैं शांत मन से स्वमेव भारतरत्न होने की उमंग से सराबोर हूं। काश, मुझे भारतरत्न मिल भी जाए तो इसे लगाऊंगा कहां? भारतरत्नों की जो हालत है वह किसी से छिपी हुई नहीं है। इसे अंधे की रेवड़ी बनाने से क्या फायदा है। वर्षों तक भारतरत्नों की उपेक्षा करते रहे, आज यकायक नींद खुली तो भारतरत्नों को खोजने के अलावा कोई कार्य ही नहीं रहा। जिसे देखो, वही भारतरत्न नजर आता है। मैं अपने मामले में तो सरकार को आश्वस्त किए देना चाहता हूं कि वह मेरे मसले पर चिंतित न हो। मैं तो बना-बनाया भारत का भारतरत्न हूं। कई बार होता है कि प्रत्याशी भारतरत्न के काबिल होता है, लेकिन सरकार देना नहीं चाहती। मेरे मामले में ऐसी चिंता की कोई बात नहीं है। मेरे देश की मिट्टी इतनी पवित्र और उच्च कोटि की है कि इसे सिर पर लगाकर हजारों लोग शहीद हो गए, वे सब भारतरत्न ही तो थे। स्वाधीनता आंदोलन का सौ वर्षों का इतिहास भी इसी का साक्षी है कि जो भी इसमें प्राण न्यौछावर कर सका, वही मेरी माता भारत का रत्न ही था। मां हर बेटे को रत्न मानती है तथा जन्म से पालती है। हर बेटे की कुर्बानी उसे समान सुख और दुःख देती है। इसलिए भारतरत्न की महता अप्रासंगिक नहीं है। देश में भारतरत्नों का होना परमावश्यक है। रत्न व्यवसायियों का मानना है कि रत्न अनेक प्रकार के होते हैं। महंगे, बहुत महंगे तथा बहुत सस्ते भी।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

ललित गर्ग

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है।

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज

कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं।

आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मर्यादाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें।

देश दुनिया से

इसरो के लिए प्रतिभाओं को थामे रखने की चुनौती

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र अच्छी और बुरी, दोनों वजहों से सुर्खियों में है। अच्छी खबर यह है कि भारत की एक निजी कंपनी, 'स्काईरूट' ने पहला 'एंड-टू-एंड' (आरंभ से अंत तक) निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण मिशन पूरा कर दिखाया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) के दो पूर्व इंजीनियरों द्वारा शुरू की गई इस कंपनी ने अपने रॉकेट, विक्रम-1 की प्रथम उड़ान सफल बनाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी को उम्मीद है कि वह अगले साल इस रॉकेट का उन्नत प्रारूप विक्रम-2 उड़ा पाएगी। इसका मकसद 'लो अर्थ ऑर्बिट' (पृथ्वी की निचली कक्षा) में सैटेलाइट स्थापित करने के अरबों डॉलर के बाज़ार में उतरना है। बुरी खबर इसरो के बारे में है, जहां से कई बड़े वैज्ञानिक और इंजीनियर नौकरी छोड़कर जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, यू.आर. राव स्पेस सेंटर, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर और नेशनल स्पेस एजेंसी की अन्य अहम इकाइयों में काम करने वाले दर्जनों वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने या तो इस्तीफ़ा दे दिया है या समयपूर्व सेवानिवृत्ति ले ली। इनमें से कई वैज्ञानिक भारत की अग्रणी अंतरिक्ष परियोजनाओं, जैसे कि गगनयान मिशन (इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने का मिशन), नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल (एनजीएलवी) और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों पर काम कर रहे थे। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि अंतरिक्ष विभाग को इस पलायन पर प्रतिबंध लगाने का फ़ैसला करना पड़ा है। उसने निर्देश दिया है कि अहम मिशनों से जुड़े लोगों को परियोजना पूरी होने तक इसरो छोड़ने की इजाज़त नहीं दी जाएगी। सरसरी तौर पर देखें तो भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट का प्रक्षेपण और इसरो से प्रतिभा पलायन (ब्रेन ड्रेन) एक-दूसरे से अलग लग सकते हैं। लेकिन असल में, ये दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। इसरो की इकाइयों में इस्तीफ़ों की बाढ़ का सबसे परोक्ष कारण पिछले कुछ वर्षों में निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों का उभरना है। यह सरकार के उस फ़ैसले का सीधा नतीजा है, जिसमें निजी कंपनियों को रॉकेट और सैटेलाइट बनाने तथा उनका

प्रक्षेपण करने की इजाज़त दी गई थी। इस नीति के आने से पहले भारतीय भूमि से रॉकेट छोड़ने के काम पर केवल इसरो का एकाधिकार था। सरकार ने न सिर्फ़ निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र के दरवाज़े खोल दिए, बल्कि इसरो को यह भी निर्देश दिया कि वह कंपनियों को अपनी सुविधाओं का इस्तेमाल करने दे। इन सबने एक ऐसी स्थिति बना दी, जिसमें निजी कंपनियों ने इसरो की इंजीनियरिंग प्रतिभाओं को आकर्षक वेतन, सुविधाओं और चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं से लुभाकर अपनी ओर खींच लिया। सरकारी संस्थानों से निजी क्षेत्र में प्रतिभा का इस प्रकार का पलायन इसरो के लिए कोई नई बात नहीं है और न ही यह केवल अंतरिक्ष क्षेत्र तक ही सीमित है। अमेरिका का नामी निजी अंतरिक्ष क्षेत्र, नासा द्वारा तैयार और प्रशिक्षित किए गए लोगों (मानव संसाधन) के दम पर ही खड़ा है। सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के आरंभिक दौर में निजी कंपनियों ने अपनी अनुसंधान एवं विकास टीमें इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड और कंप्यूटर मेंटेनेंस कॉर्पोरेशन जैसी सरकारी कंपनियों से लोगों को लाकर तैयार की थीं। ऐसा ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसी महत्वपूर्ण सरकारी कंपनियों के मामले में भी हुआ। रक्षा एवं एयरोस्पेस उत्पादन को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के बाद, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं में भी इसरो जैसी ही स्थिति बनी हुई है। हमारी वैज्ञानिक एजेंसियों, चाहे वे इसरो हों या डीआरडीओ, को आज जिस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, उसके कारणों पर गहराई से विचार करने की ज़रूरत है।

मार्च 2026 में, अंतरिक्ष विभाग की समीक्षा करने वाली एक संसदीय समिति को बताया गया था कि इसरो की अलग-अलग इकाइयों में कुल मंजूर 18,000 पदों में लगभग 2,800 से अधिक पद खाली पड़े हैं। नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल जैसी महत्वपूर्ण परियोजना पर काम करने वाले संस्थान, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में भी लगभग 500 पद खाली हैं। एक ओर निजी कंपनियां अनुभवी वैज्ञानिकों को अपनी ओर खींच रही हैं, तो दूसरी तरफ़ इसरो की परियोजनाओं को सरकार से पर्याप्त फंडिंग नहीं मिल रही है। उदाहरण के लिए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2024 में अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान (एनजीएलवी) प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। इसके तहत रॉकेट विकसित करने हेतु, सुविधा शुरू करने से लेकर प्रक्षेपण तक, 96 महीनों की समय-सीमा तय की गई। मंजूरी की तारीख से 84 महीनों के भीतर पहली विकासात्मक परीक्षण उड़ान का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन मंजूरी मिलने के बाद भी कई माह तक यह परियोजना कागज़ों पर ही रही, क्योंकि 2024-25 के बजट में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया था। संशोधित अनुमान के तहत 3 करोड़ रुपये का एक प्रतीकात्मक आवंटन किया गया, जिसमें से इसरो 85 लाख रुपये ही खर्च पाया। 2025-26 के बजट में शुरू में 158 करोड़ रुपये रखे गए थे, लेकिन संशोधित अनुमानों में इसे भी घटाकर 39.76 करोड़ रुपये कर दिया। इस धन में से इसरो ने 31 जनवरी, 2026 तक केवल 7.93 करोड़ रुपये इस्तेमाल किए। फंडिंग में देरी और स्टाफ़ की कमी ऐसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की तय समय-सीमा पर बुरा असर डाल सकती है।

आप का नज़रिया

टूट रहीं संसदीय मर्यादाएं

भारी हंगामे और तीखी नोंकझोंक के बीच लोकसभा में एंटी पेपरलीक संशोधन बिल ध्वनि-मत से पारित करना पड़ा। इस बिल पर 45 सांसदों ने, 10 से ज्यादा घंटे की बहस के दौरान, अपनी बात रखी और संशोधन भी पेश किए, लेकिन बिल पर मत-विभाजन तक नहीं कराया गया। यह लोकतंत्र की सूक्ष्म एवं महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। बिल 'हां' अथवा 'ना' के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के 'तथाकथित' गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष को ऐसे आरोपों और शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत ही क्या थी? यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन और प्रदर्शन के वक्त गोलीबारी और घातक लाठीचार्ज का अंतिम निर्णय गृहमंत्री या प्रधानमंत्री लेते हैं। ऐसी संसदीय अज्ञानता पर हम क्या टिप्पणी करें? ऐसे आदेश मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट (डीएम या एसडीएम) ही दे सकते हैं। आपात स्थितियों में पुलिस के डीसीपी या एसीपी को भी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की जाती हैं। अब यह कैसी संसदीय मर्यादा और विरोधाभास है कि विपक्ष मानता है कि आंदोलित युवाओं पर कीलदार लाठियों से हमले किए गए और पैलेट गन भी चलाई गई, लेकिन बिल पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पैलेट गोलीबारी से साफ इंकार किया है। अलबत्ता आंसू गैस के गोले दागने को जरूर स्वीकार किया है। वस्तुस्थिति यह है कि एम्स की मेडिकल रपट में पैलेट गन की पुष्टि की गई है, लेकिन दिल्ली पुलिस जिस अस्पताल का उल्लेख कर रही है, उसकी रपट में पैलेट की पुष्टि नहीं की गई है। क्या चिकित्सा के पेशेवर अस्पताल की मर्यादा, नैतिकता और शुचिता भी विरोधाभासी हो गई है, लिहाजा मर्यादाएं खंडित हो रही हैं? एक और तथ्य गौरतलब है कि सीआरपीएफ के विशेष बल आरएएफ के डिप्टी कमांडेंट ने संसद मार्ग पुलिस स्टेशन की डायरी में पैलेट गन चलाने की घटना दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि आरएएफ के 12 जवानों के हाथ में पैलेट गन थी। सरकार का बयान भिन्न है, नेता प्रतिपक्ष के आरोप बेहद गंभीर हैं और दिल्ली पुलिस, सुरक्षा बलों के रिकॉर्ड सबसे अलग हकीकत बयां कर रहे हैं! क्या देश की इन व्यवस्थाओं के बीच भी मर्यादा, आचार-संहिता नहीं होनी चाहिए? बहरहाल लोकसभा में बहस हुई, बिल पारित हो गया, राज्यसभा में पारित होने के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से कानून भी बन जाएगा, लेकिन कई अहम सवाल फिर भी बरकरार रहेंगे। मसलन-शिक्षा का बजट जीडीपी के 4 फीसदी से घटा कर 2.6 फीसदी क्यों किया गया? भारत में औसत शिक्षा 10 गुना महंगी क्यों हो गई है? सरकारी स्कूल में औसतन पढ़ाई का खर्च 2863 रुपए है, जबकि निजी स्कूल में वही खर्च 25,000 रुपए से अधिक क्यों है? कुछ सवाल हमने पिछले संपादकीय में भी उठाए थे।

बिल 'हां' अथवा 'ना' के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के 'तथाकथित' गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं।

दृष्टि कोण

कांगड़ा घाटी रेलवे : उपेक्षा नहीं, पुनर्जीवन जरूरी

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का आकलन केवल इस आधार पर नहीं किया जाता कि उसने कितनी नई सडक़ें, पुल, हवाई अड्डे या आधुनिक परियोजनाएं बनाई हैं। किसी देश की वास्तविक पहचान इस बात से भी तय होती है कि वह अपनी ऐतिहासिक धरोहरों, सांस्कृतिक विरासत और जनहित से जुड़ी संस्थाओं का संरक्षण किस प्रकार करता है। विकास का अर्थ केवल नया निर्माण नहीं, बल्कि उस विरासत को भी सुरक्षित रखना है जिसने दशकों तक समाज की सेवा की हो। इसी कसौटी पर यदि हिमाचल प्रदेश की ऐतिहासिक पठानकोट-जोगिंद्रनगर नैरो गेज कांगड़ा घाटी रेलवे को देखा जाए तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि लगभग एक शताब्दी पुरानी यह अमूल्य धरोहर आज उपेक्षा, अनिश्चितता और संसाधनों की कमी के दौर से गुजर रही है। सन 1929 में आरंभ हुई यह रेल लाइन केवल लोहे की पटरियों पर दौड़ती एक ट्रेन नहीं है, बल्कि हिमाचल प्रदेश, विशेषकर कांगड़ा घाटी की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। पिछले लगभग सौ वर्षों से इस रेलमार्ग ने लाखों लोगों के जीवन को सरल बनाया है। विद्यार्थी शिक्षा के लिए, कर्मचारी अपने कार्यस्थलों तक पहुंचने के लिए, छोटे व्यापारी अपने व्यापार के लिए, किसान कृषि उत्पादों के परिवहन के लिए, सैनिक परिवार आवागमन के लिए तथा देश-विदेश से आने वाले पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के लिए इस रेल सेवा का उपयोग करते रहे हैं। अनेक लोगों के लिए यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और स्मृतियों का हिस्सा भी है। यह रेलमार्ग हिमालय की गोद में बसे छोटे-छोटे कस्बों और गांवों को जोड़ते हुए धौलाधार पर्वतमाला, चाय बागानों, नदियों, घाटियों और सुरंगों के बीच से गुजरता है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता इसे देश के सबसे मनोहारी रेलमार्गों में स्थान दिलाती है। यदि इसे उचित रूप से विकसित किया जाए तो यह विश्वस्तरीय पर्यटन आकर्षण बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि प्रत्येक वर्ष बरसात के

मौसम में भूस्खलन, चट्टानों और मलबे के ट्रैक पर आने, नालों के उफान तथा कई पुराने पुलों की जर्जर स्थिति के कारण रेल सेवाएं बार-बार बाधित हो जाती हैं। कई बार सप्ताहों तक रेल संचालन बंद रहता है। इससे सबसे अधिक परेशानी आम यात्रियों को होती है, जिन्हें मजबूर होकर महंगे और सीमित सडक़ परिवहन का सहारा लेना पड़ता है। इससे स्थानीय व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होती है। विचारणीय प्रश्न यह है कि जब ये समस्याएं दशकों से ज्ञात हैं, तो इनके स्थायी समाधान के लिए समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए? हर वर्ष बरसात आने के बाद मरम्मत कार्य करना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। रेलवे को संवेदनशील क्षेत्रों की विस्तृत भू-वैज्ञानिक मैपिंग करवानी चाहिए। जहां बार-बार भूस्खलन होता है, वहां आधुनिक रॉक नेटिंग, रॉक बोल्टिंग, रिटेनिंग वॉल, ड्रेनेज सुधार, ढलानों का वैज्ञानिक स्थिरीकरण, गेबियन संरचनाएं तथा भूस्खलन की पूर्व चेतावनी देने वाली निगरानी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। आज देश और दुनिया के अनेक पर्वतीय रेलमार्गों पर ऐसी तकनीकों का सफल उपयोग हो रहा है। कांगड़ा घाटी रेलवे भी इससे वंचित क्यों रहे? इसी प्रकार लगभग एक शताब्दी पुराने अनेक पुलों का विस्तृत तकनीकी ऑडिट कर चरणबद्ध सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। कई स्थानों पर ट्रैक का नवीनीकरण, आधुनिक सिग्नल प्रणाली तथा नियमित रखरखाव समय की मांग है।

औकिब नबी को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर इरफान पठान ने उठाये सवाल, घरेलू क्रिकेट में रहा है बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफान पठान ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी टीम में जगह नहीं मिलने पर नाराजगी जतायी है। नबी ने पिछले रणजी ट्राफी सीजन में 60 विकेट लेकर अपनी टीम को पहला खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उनका प्रदर्शन ठीक रहा था। भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी भी उन्होंने दो चार दिवसीय मुकाबलों में छह विकेट लिए थे। इसके बाद भी नबी को शामिल नहीं किये जाने पर पठान ने सवाल उठाये हैं। पठान ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि चयन समिति के पास कोई तार्किक जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि जब घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को मौका दिया जा रहा है, तो नबी के साथ अलग व्यवहार क्यों किया गया।

इरफान ने कहा, मेरे पास औकिब नबी के चयन न होने का कोई तार्किक जवाब नहीं है। मैं चयन प्रक्रिया को समझ नहीं पाया। जब जसप्रीत बुमराह उपलब्ध नहीं होते हैं तो मोहम्मद सिराज आपके प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ उस टेस्ट में सिराज को खिलाने की क्या जरूरत थी, जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा भी नहीं था घरेलू प्रदर्शन मायने रखता है तो औकिब को मौका क्यों नहीं मिलाइरफान पठान ने हालांकिसारांश जैन के चयन की सराहना करते हुए कहा कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए। सा ही कहा कि यही पैमाना औकिब नबी के मामले में भी लागू किया जाना चाहिये था।

उन्होंने कहा, सारांश जैन का घरेलू प्रदर्शन के दम पर टीम में चुना जाना शानदार फैसला है। इससे घरेलू क्रिकेट खेलने वालों को संदेश मिलता है कि प्रदर्शन का सम्मान होगा। लेकिन फिर औकिब के साथ ऐसा क्यों नहीं हुआ उन्होंने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और तेज गेंदबाज होने के नाते टीम को हमेशा बैकअप की जरूरत रहती है।घरेलू क्रिकेट, इंडिया-ए और आईपीएल में प्रभावित करने के बावजूद नबी को भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल सकी। अब उनकी नजर आगामी घरेलू सीजन में फिर से शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने की रहेंगी

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए शान मसूद

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट आफ स्पेन में रविवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को शान मसूद की कमी खलेगी, क्योंकि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को उंगली में चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। तरौबा में खेले गए पहले टेस्ट की पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए जेडेन सील्स की गेंद लगने से मसूद के बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लग गई थी; पाकिस्तान यह मैच 90 रन से हार गया था। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में भी मसूद के खेलने पर संदेह है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि 19 अगस्त से लीड्स में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता उनके ठीक होने पर निर्भर करेगी। पीसीबी ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के टेस्ट बल्लेबाज शान मसूद को त्रिनिदाद के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बाएं हाथ की तर्जनी उंगली में चोट लगने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है। स्कैन और क्लिनिकल जांच के बाद, शान का इलाज अभी पाकिस्तान टीम का मेडिकल पैनल कर रहा है। पीसीबी ने कहा, 19 अगस्त से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट मैच में उनकी उपलब्धता उनके ठीक होने और क्लिनिकल प्रोग्रेस (सुधार) पर निर्भर करेगी।

अब घरेलू क्रिकेट में क्वींसलैंड की ओर से खेलेंगे जम्पा

सिडनी। आस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा अब घरेलू क्रिकेट में क्वींसलैंड की ओर से खेलेंगे। अब तक वह न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलते आये थे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। ज़म्पा ने ये कदम अपनी ट्रेनिंग सुविधाओं के करीब रहने के लिए उठाया है। क्वींसलैंड की राजधानी ब्रिस्बेन में अभ्यस स्थल उनके घर के करीब है। टीम में बदलाव से उनके घरेलू क्रिकेट करियर में एक नया अध्याय जुड़ेगा। इससे उनके पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन स्थापित होगा। ज़म्पा के लिए क्वींसलैंड उनके घरेलू करियर की तीसरी राज्य टीम होगी। इससे पहले उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में दक्षिण आस्ट्रेलिया की ओ से सात साल खेला था। इसके बाद वह न्यू साउथ वेल्स चले गए थे। इस अनुभवी स्पिनर के होने से टीम को बढ़त मिलेगी। अब वह क्वींसलैंड की ओर से खेलते हुए मार्नस लाबुशेन, माइकल नेसर और जेवियर बार्टलेट जैसे राष्ट्रीय स्तर पर अनुबंधित खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करेंगे, जिससे टीम की गहराई और अनुभव दोनों में वृद्धि होगी। उनका आगमन शामिल होने से क्वींसलैंड का स्पिन आक्रमण भी बेहतर होगा। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर हाई परफार्मेंस, बेनेट किंग ने ज़म्पा के टीम में आने पर खुशी जतायी है। उन्होंने कहा, हमें बेहद खुशी है कि एडम जैसे विश्व स्तरीय खिलाड़ी हमारे साथ जुड़े हैं। उनका अनुभव, खेल की समझ और शीर्ष स्तर पर प्रदर्शन करने की क्षमता निस्संदेह हमारे युवा खिलाड़ियों और समग्र ग्रुप को बड़ा फायदा पहुंचाएगी। किंग ने यह भी कहा कि वे भविष्य में भी ज़म्पा को आस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करने के उनके लक्ष्यों को पूरा करने में हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए उत्सुक हैं।

पाक बल्लेबाज युसुफ के नाम है एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड

लाहौर। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद युसूफ के नाम टेस्ट क्रिकेट में एक ऐसा रिकार्ड है जो आज तक कोई

क्रिकेटर नहीं तोड़ पाया है। मोहम्मद युसूफ एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। इस पाक क्रिकेटर के नाम 9 टेस्ट शतक का रिकार्ड है जो उसने साल 2006 में बनाया था। उनके साथ ही रिकी पोंटिंग, सर विवियन रिचर्ड्स, अरविंद डिसिल्वा और सचिन तेंदुलकर के नाम भी एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल है। मोहम्मद युसूफ : साल 2006 में यूसुफ ने11 मैचों की 19 पारियों में, उन्होंने 99.33 की अविश्वसनीय औसत से 1,788 रन बनाए। 2,854 गेंदों का सामना करते हुए, उन्होंने 202 रनों का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया और 222 चौकों तथा 12 छक्कों की मदद से 9 शतक का रिकार्ड बनाया। उनके नाम 3 अर्धशतक भी हैं। वह इस साल केवल 1 बार शून्य पर आउट हुए। रिकी पोंटिंग : साल 2006 में ही पोंटिंग ने 2006 में केवल 10 मैचों की 18 पारियों में जमकर रन बनाये। 3 बार नाबाद लौटते हुए उन्होंने 88.86 की शानदार औसत से 1,333 रन बनाये। 196 के सर्वोच्च स्कोर के साथ उन्होंने 7 शतक और 4 अर्धशतक अपने नाम किए।

कॉमनवेल्थ खेलों में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन

15 मिनट में जूडो से आए दो स्वर्ण, अस्मिता डे और हर्ष सिंह बने चैंपियन; यामिनी मौर्य ने जीता रजत पदक

ग्लासगो ।

कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने शुक्रवार को जूडो में शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 15 मिनट के भीतर दो स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिए। महिला 48 किलोग्राम वर्ग में अस्मिता डे और पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग में हर्ष सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वहीं महिला 57 किलोग्राम वर्ग में यामिनी मौर्य ने रजत पदक हासिल किया। कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में यह पहला अवसर है जब भारत ने जूडो स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते हैं। इन उपलब्धियों के साथ भारत की पदक तालिका में कुल पदकों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। अब तक भारतीय दल 5 स्वर्ण, 11 रजत और 4 कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है।

15 मिनट में दो स्वर्ण पदक

शुक्रवार रात 8:56 बजे महिला 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अस्मिता डे ने कनाडा की हेइडी क्राच को 2-1 से हराकर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इसके ठीक 15 मिनट बाद रात 9:11 बजे पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ कात्ज को 10-0 (वाजा-अरी) से पराजित कर दूसरा स्वर्ण पदक जीत लिया।

इसके बाद महिला 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में यामिनी मौर्य को इंग्लैंड की एसेल्या टोपराक के खिलाफ मुकाबले में तीसरी पेनल्टी (शिडो) मिलने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

अस्मिता डे ने दिखाई शानदार वापसी

त्रिपुरा की 23 वर्षीय अस्मिता डे ने फाइनल मुकाबले की शुरुआत में एक अंक गंवा दिया था। इसके बाद उन्हें एक पेनल्टी भी मिली, जिससे कनाडा की हेइडी क्राच ने मुकाबले पर पकड़ बना ली।

हालांकि अस्मिता ने आक्रामक खेल जारी रखा और चार मिनट के मुकाबले के मध्य तक स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद निर्णायक बढ़त बनाते हुए उन्होंने मुकाबला 2-1 से जीतकर भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया।

हर्ष सिंह ने 10-0 से जीता फाइनल

23 वर्षीय हर्ष सिंह ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ कात्ज के खिलाफ संयम और शानदार तकनीक का प्रदर्शन किया। कात्ज ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की, लेकिन हर्ष ने उनके सभी प्रयास विफल कर दिए। एक समय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने उन्हें पिन करने की कोशिश की, लेकिन हर्ष ने न केवल खुद को बचाया बल्कि शानदार जवाबी दांव भी लगाया।

चार मिनट तक चले मुकाबले में लंबे समय तक कोई अंक नहीं बना। मैच के अंतिम मिनट में हर्ष ने निर्णायक वाजा-अरी हासिल कर 10-0 की बढ़त बनाई और अंत तक अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

यामिनी मौर्य को मिला रजत पदक

महिला 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत की यामिनी मौर्य का मुकाबला इंग्लैंड की विश्व नंबर-13 खिलाड़ी एसेल्या टोपराक से हुआ।

करीब सात मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों खिलाड़ी कोई अंक हासिल नहीं कर सकीं। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने के बाद मुकाबला गोल्डन स्कोर में पहुंचा। अतिरिक्त समय में दोनों खिलाड़ियों को दो-दो शिडो मिल चुके थे। अंततः यामिनी को तीसरी पेनल्टी मिलने पर मुकाबला समाप्त हुआ और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय जूडो के लिए ऐतिहासिक दिन

एक ही दिन में अस्मिता डे और हर्ष सिंह के स्वर्ण पदकों ने भारतीय जूडो के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। पहली बार कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने जूडो स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस उपलब्धि से भारतीय खेल जगत में उत्साह की लहर है और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की व्यापक सराहना की जा रही है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल मेडल
1	ऑस्ट्रेलिया	53	27	41	121
2	कनाडा	17	14	18	49
3	इंग्लैंड	16	31	25	72
4	स्कॉटलैंड	10	7	16	33
5	नाइजीरिया	8	5	3	16
6	न्यूजीलैंड	6	10	7	23
7	सा. अफ्रीका	6	9	9	24
8	मलेशिया	6	3	3	12
9	भारत	5	11	4	20
10	वेल्स	4	6	10	20

राष्ट्रमंडल खेल 2026: सीमा ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में जीता कांस्य

ग्लासगो। भारत की सीमा कालीरामना ने गुरुवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 में महिलाओं के डिस्कस थ्रो फ़ाइनल में कांस्य पदक जीता। उनके दूसरे प्रयास में 58.65 मीटर का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो (छह में से उनके केवल दो ही वैध थ्रो थे) उन्हें पोडियम तक पहुँचाने के लिए काफ़ी था। प्रतियोगिता में शामिल दूसरी भारतीय, निधि रानी, 57.10 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इन खेलों में महिलाओं के डिस्कस थ्रो में भारत का यह नौवां पदक है और कालीरामना छठी अलग-अलग मेडलिस्ट हैं। सीमा पूनिया के नाम चार राष्ट्रमंडल खेल पदक हैं, जिनमें तीन रजत शामिल हैं। जमैका की सामंथा हाल ने 61.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कनाडा की जूलिया टंक्स ने 60.67 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक हासिल किया।

अफगानिस्तान क्रिकेट के नये फील्डिंग कोच बने मैकडरमाट

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज़ शेन मैकडरमाट को अफगानिस्तान का नया असिस्टेंट और फील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। आयरलैंड के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय सीरीज के पहले इस बदलाव से टीम को लाभ होने की की संभावना है। मैकडरमाट 1 अगस्त को अफगानिस्तान टीम से जुड़ेगे। अफगान टीम को आयरलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

मैकडरमाट मुख्य कोच रिचर्ड पाइबस के साथ मिलकर काम करेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में जोनाथन ट्राट की कोच की भूमिका संभाली थी। मैकडरमाट के आने से टीम को फील्डिंग कौशल बेहतर होगा। वह भी ऐसे समय में जब अफगानिस्तान क्रिकेट लगातार विश्व स्तर पर बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर रही है।

मैकडरमाट के पास कोचिंग का लंबा अनुभव है, खासकर फील्डिंग के क्षेत्र में, जहां उनकी विशेषज्ञता को काफी सराहा जाता है। उन्होंने पहले बांग्लादेश के लिए तीन साल तक सहायक कोच की भूमिका निभाई है। उन्होंने श्रीलंका क्रिकेट के साथ भी इसी भूमिका में तीन साल बिताए। इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान टीम से उनका अचानक अलग होना कई लोगों के लिए हैरानी भरा था पर अब उन्होंने अफगानिस्तान के साथ एक नई चुनौती स्वीकार की है, जो उनकी कोचिंग क्षमता और अनुभव का लाभ उठाएगी।

यह आयरलैंड दौरा अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए कई मायनों में एक नया अध्याय भी होगा। इस सीरीज में रहमत शाह पहली बार वनडे टीम की कप्तानी की बागडोर संभालेंगे, जो उनके लिए और टीम के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह युवा कप्तान के नेतृत्व में टीम की क्षमताओं का आकलन करने और भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों के लिए रणनीति बनाने का एक अहम मौका होगा। अफगानिस्तान टीम एक नई ऊर्जा और दृष्टिकोण के साथ मैदान पर उतरेगी। पांच मैचों की यह एकदिवीसय सीरीज ब्रेडी में शुरू होगी, जहां शुरुआती दो वनडे मैच 5 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे। इसके बाद टीम बेलफास्ट का रुख करेगी, जहां बाकी तीन मैच क्रमशः 10, 12 और 15 अगस्त को आयोजित होंगे।

एशियन लीजेंड्स लीग में 2 अगस्त को होगा इंडियन रायल्स और पाकिस्तान पैंथर्स में मुकाबला

मुम्बई

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबलों का प्रशंसकों को हमेशा से ही इंतजार रहता है। वहीं अब रिटायर्ड क्रिकेटरों की की एशियन लीजेंड्स लीग में ये दोनो देशों की टीमें 2 अगस्त को फिर आमने-सामने होंगी। इसमें भारत के पूर्व क्रिकेटरों की इंडियन रायल्स का मुकाबल पाकिस्तान पैंथर्स से होगा।

पहले ये टूर्नामेंट 2 जून 2026 से केन्या के नैरोबी स्थित जिमखाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला था पर अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला श्रीलंका लायंस और अफगानिस्तान पठान्स के बीच खेला जाएगा। पहले सत्र में लीग को मिली शानदार सफलता को देखते हुए लीग इस बार और भी बड़े स्तर पर वापसी करने जा रही है। ये सभी मुकाबले जाम्बिया के लोटस स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा।

इसमें भारत की इंडियन रायल्स का मुकाबला पाकिस्तान पैंथर्स से होगा।

20 ओवर के प्रारूप में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 19 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें विभिन्न एशियाई देशों के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एक मंच

पर नजर आयेंगे। इस टूर्नामेंट को रिटायर्ड खिलाड़ियों का एशिया कप भी कहा जाता है। इस टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मुकाबला 2 अगस्त को इंडियन रायल्स और पाकिस्तान पैंथर्स के बीच खेला जाएगा, जिसका प्रशंसक अभी से ही इंतजार कर रहे हैं। एशियन लीजेंड्स लीग में इंडियन रायल्स, पाकिस्तान पैंथर्स के अलावा श्रीलंकन लायंस, अफगानिस्तान पठान्स, बांग्लादेश टाइगर्स और रेस्ट आफ एशियन स्टार्स जैसी फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी।

लीग अधिकारियों ने कह है कि इस टूर्नामेंट में केवल एशियाई देशों की टीमों को ही भाग लेने की अनुमति होगी, जिससे यह प्रतियोगिता एशियाई क्रिकेट की विरासत, जुनून और प्रतिद्वंद्विता का उत्सव बनेगी। सीजन 2 में श्रीलंकाई दिग्गज तिषारा परेरा, तिलकरत्ने दिलशान के अलावा भारत के ऋषि धवन, मोहित शर्मा वहीं अफगान टीम के असगर अफगान श्रीलंका के दनुष्का गुणथिलका, भारत के नमन ओझा, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन सहित कई दिग्गज क्रिकेटर मैदान में नजर आ सकते हैं।

दोने टीमें इस प्रकार हैं :

इंडियन रायल्स

शिखर धवन, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषि धवन, अंबाती रायुडू, मनप्रीत गोनी, स्टुअर्ट बिन्नी, यूसुफ पठान, नमन ओझा, सुदीप त्यागी, सुरेश रैना, शाहबाज नदीम, फैज फजल, हरभजन सिंह, अनुरीत सिंह, शदाब जकाती, पवन नेगी

पाकिस्तान पैंथर्स

उमर अकमल, मोहम्मद हफीज, सोहेल तनवीर, वहाब रियाज, अब्दुर रहमान, सईद अजमल, राहत अली, कामरान अकमल, शर्जील खान, यासिर शाह, सामी असलम, शोएब मलिक, राना नईम अनवर, मोहम्मद इरफान, नवेद-उल-हसन, इमरान नजीर।

देवाधिदेव महादेव ही ऐसे देव हैं जिनके संपूर्ण परिवार की होती है पूजा : आचार्य श्रीनिवासजी श्रीमाली

श्रीसिद्धेश्वर तीर्थ, तिरुपति में श्रावण मास महामहोत्सव के अंतर्गत नित्य रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप एवं यज्ञ का आयोजन

तिरुपति, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रावण मास महामहोत्सव के अवसर पर तिरुपति स्थित श्री ब्रह्मर्षि आश्रम, श्रीसिद्धेश्वर तीर्थ में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रतिदिन नित्य रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप एवं महामृत्युंजय यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। श्रीसिद्धेश्वर तीर्थ के आचार्य श्रीनिवास जितेंद्र श्रीमाली ने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि नित्य रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जाप एवं यज्ञ के माध्यम से प्रारब्ध कर्मों के दोषों का शमन होता है तथा शारीरिक, मानसिक और पारिवारिक कष्टों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

पूज्य गुरुदेव ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के पावन आशीर्वाद से श्री ब्रह्मेश्वर महादेव का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 158 प्रकार के पवित्र द्रव्यों से अभिषेक किया गया। इसके पश्चात रुद्राभिषेक, सहस्त्रधारा, विशेष श्रृंगार एवं महाआरती संपन्न हुई। आरती के बाद सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

आश्रम के जनसंपर्क अधिकारी शांतिलाल मेहता ने बताया कि इस अवसर पर आश्रम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुभाष चंद्र, पूर्व न्यायाधीश विमल कुमार, डॉ. बी.डी. गर्ग, वी.के. श्रीवास्तव, पारस कुमार, कनाडा से राकेश विजय, रामनिवास श्रीकांत विभूतिया, प्रिया गोलेछा, राजेश जैन, आशीष मेहता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गुरु भक्त उपस्थित रहे। आचार्य श्रीनिवासजी श्रीमाली ने अपने आध्यात्मिक प्रवचन में कहा कि हिंदू सनातन परंपरा में भगवान शिव ही एकमात्र ऐसे देवाधिदेव हैं, जिनके संपूर्ण परिवार की एक साथ पूजा की जाती है।

उन्होंने कहा कि अन्य देवी-देवताओं के पूजन के लिए विशेष तिथि और समय निर्धारित है, जबकि भगवान शिव का विशेष पूजन पूरे श्रावण मास में किया जाता है।

गीत चाँदनी की 502वीं मासिक कवि गोष्ठी गुरु पूर्णिमा पर संपन्न

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था गीत चाँदनी की 45वें वर्ष की 502वीं मासिक कवि गोष्ठी गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नामपल्ली रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म संख्या-1 स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में महंत महामण्डलेश्वर प्रभुदास जी महाराज के सान्निध्य में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ संपन्न हुई।

कार्यक्रम का संचालन गोविंद अक्षय ने किया। अध्यक्षता चंपालाल बैद ने की। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, आशा ठाकुर एवं विद्या दवे श्रीमाली ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर विचार व्यक्त किए। विशेष अतिथि एस. के. जैन लौंगपुरिया एवं अंजनी कुमार गोयल भी उपस्थित रहे।

कवि गोष्ठी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, चंपालाल बैद, गोविंद अक्षय, आशा ठाकुर, अंजनी कुमार गोयल, डॉ. रेखा देवी वर्मा, राजकुमार यादव, पुष्पा वर्मा, संत कुमार मंडल जागृति, जितेंद्र कुमार चंचल, विद्या दवे श्रीमाली, रामलिंग हिरोडे, निधि झा, नागेश्वर राव, मंजुला यादव, ममता मिश्रा, दिनेश अग्रवाल शशि, सत्यनारायण काकड़ा सहित अनेक कवियों ने गुरु महिमा, राष्ट्रीय चेतना एवं मानवीय मूल्यों पर आधारित रचनाओं का पाठ किया।

महंत प्रभुदास जी महाराज ने सभी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम श्रद्धा एवं साहित्यिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।

तेलंगाना में बोनालु पर्व की परंपरा को विधायक राजा सिंह का समर्थन

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की सांस्कृतिक धर-ोहर बोनालु पर्व को विधायक श्री टी. राजा सिंह ने विशेष महत्व दिया है।

शुक्रवार को तेलंगाना मेधावी फोरम की राज्य शाखा के तत्वावधान में राजा सिंह के निवास पर आयोजित सम्मान समारोह में, पिछले 33 वर्षों से पोतराजु की भूमिका निभा रहे सोम विजय कुमार मुदिराज का शाल, स्मृति चिन्ह और पुष्पमाला से भव्य सम्मान किया गया।

राजा सिंह ने आषाढ़ मास में मनाए जाने वाले बोनालु पर्व और जात्रा को हैदराबाद में भव्य तरीके से आयोजित करने पर जोर दिया तथा शहरवासियों से इसे भाईचारे और एकता के साथ मनाने का आह्वान किया। सोम विजय कुमार ने फोरम और राजा सिंह का आभार व्यक्त करते हुए अपने सेवा कार्यों और अन्न प्रसाद कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस अवसर पर तेलंगाना मेधावी फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने विधायक श्री टी. राजा सिंह का भी शाल, स्मृति चिन्ह एवं पुष्पमाला से भव्य सम्मान कर उन्हें बधाई दी।

कार्यक्रम में टीसीसी राज्य शाखा के उपाध्यक्ष श्री के. रविंदर, कोऑर्डिनेटर श्री जी. वेणुगोपाल, बिच्चुकारी सूर्य, महेश, सायराम, जगदीश चारी, हर्ष यादव सहित अन्य उपस्थित रहे। सभी ने पोतराजु सोम विजय कुमार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

चोरी के शक में 15 वर्षीय किशोर की पीट-पीटकर हत्या, गांव में तनाव

गया जिले के झौर गांव की घटना, दो लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

पटना, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार के गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र अंतर्गत झौर गांव में चोरी के संदेह में एक 15 वर्षीय किशोर की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही शेरघाटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल किशोर को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान झौर गांव निवासी पंकज उर्फ बंडा मांझी (15) के रूप में हुई है। वह अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मौत के बाद परिवार में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की मां मुनिया देवी ने गांव के बालेश्वर यादव तथा उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गुरुवार देर रात उनके बेटे को पकड़कर उसके हाथ-पैर बांध दिए गए और एक घर में बंद कर लाठी-डंडों तथा अन्य वस्तुओं से बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

परिजनों ने आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।गांव की महिला लाखो देवी, ब्रह्मदेव यादव तथा अन्य ग्रामीणों ने बताया कि देर रात लोगों की भीड़ पंकज को पकड़कर अपने साथ ले गई थी। हालांकि घटना को लेकर गांव में अलग-अलग तरह की चर्चाएं भी हो रही हैं और पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक की दादी ससीया देवी ने बताया कि रात करीब 12 बजे गांव के कई लोग उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए पंकज को खोजने लगे। पंकज के मिलने पर वे उसे अपने साथ ले गए। परिवार के लोग देर रात तक उसकी तलाश करते रहे, लेकिन सुबह जानकारी मिली कि उसकी मौत हो चुकी है। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गांव में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

शिव रुद्राभिषेक पूजन संपन्न

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बापू घाट लंगरहाउस रामचन्द्र मठ संगम के मत पीठाधीश्वर महंत राहुल दास जी के सानिध्य में पवित्र सावन माह में पूरे महीने शिव रुद्राभिषेक पूजन का आयोजन किया जा रहा है। महंत जी ने सभी शिवभक्तों को सांयकाल पूजा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है।सावन के प्रथम दिवस पर विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, महंत चेतन गिरी, कमलेश द्विवेदी, प्रभाकर गौतम सहित अनेक संत-महात्मा और भक्तगण मौजूद रहे और पूजन में भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी...

इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया, जिसमें रुचिका सिंह नामक युवती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करती दिखाई दी। वीडियो वायरल होने के बाद उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग उठी और बाद में शिकायत के आधार पर जीरो एफआईआर दर्ज की गई।

ख़बर...

अब विभागीय जांच से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि मामला केवल एक कर्मचारी की कथित करतूत थी या इसके पीछे कोई व्यापक लापरवाही अथवा मिलीभगत थी।फिलहाल आधिकारिक स्थिति यह है कि सुधाकर रेड्डी के निलंबन के लिए रिपोर्ट जिला आबकारी नोडल अधिकारी को भेजी जा चुकी है और विभागीय जांच जारी है। अंतिम निष्कर्ष जांच रिपोर्ट और सक्षम प्राधिकारी के आदेश के बाद ही सामने आएंगे।

शुभ-लाभ का सवाल

क्या सीमा चेकपोस्ट पर कथित अवैध वसूली का यह मामला केवल एक कर्मचारी तक सीमित था, या जांच से कोई बड़ा नेटवर्क सामने आएगा ? अब पूरे मामले पर लोगों की निगाहें विभागीय जांच और उसके अंतिम निष्कर्ष पर टिकी हैं। शुभ-लाभ इस पूरे मामले की हर परत पर अपनी पड़ताल जारी रखेगा।

एक मेट्रो ...

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने अब प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों पर ऋण प्राप्त करने के लिए एसबीआई और आईसीआईसीआई जैसे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों तथा जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) से संपर्क करने का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार ने तेलंगाना सरकार को निर्देश दिया है कि फेज-2 की मंजूरी को सुगम बनाने के लिए अगले दो महीनों के भीतर फेज-1 का अधिग्रहण पूरा किया जाए।

बैठक में मेट्रो फेज-2 के लिए भूमि अधिग्रहण, उपयोगिता स्थानांतरण और आवश्यक स्वीकृतियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक में विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, विकास राज, पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) महेश एम. भागवत, वित्त विभाग की विशेष सचिव सिक्ता पटनायक, एचएमडब्ल्यूएस और एसबी के प्रबंध निदेशक के. अशोक रेड्डी, एचएमआरएल के प्रबंध निदेशक सरफराज अहमद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पप्पू पुजारी...

उन्होंने 1991, 1996, 1999, 2004, 2014 और 2024 के आम चुनावों में पूर्णिया समेत बिहार के अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की है। वे निर्दलीय के अलावा समाजवादी पार्टी (सपा), लोक जनता पार्टी और राजद के टिकट पर भी सांसद रह चुके हैं।

बता दें कि वे अक्सर बाढ़ के समय लोगों के बीच खुलेआम पैसे बांटते नजर आते हैं। इसके अलावा वह दावा भी करते हैं कि वह अब करोड़ रुपये से अधिक जनता के बीच में बांट चुके हैं। इसके चलते अक्टूबर 2025 में आयकर विभाग ने नोटिस भी जारी किया था।

उमर अब्दुल्ला...

मामलों को लेकर लंबी न्यायिक प्रक्रिया चली।

उमर अब्दुल्ला ने सबसे पहले फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी, लेकिन वर्ष 2016 में फैमिली कोर्ट ने आरोपों को पर्याप्त रूप से स्पष्ट न मानते हुए याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। दिसंबर 2023 में दिल्ली हाईकोर्ट ने भी फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए उमर अब्दुल्ला को पायल अब्दुल्ला के लिए प्रति माह 1.50 लाख रुपये भरण-पोषण तथा पुत्र की शिक्षा के लिए 60 हजार रुपये प्रतिमाह देने का निर्देश दिया था।

मध्यस्थता के बाद आपसी सहमति से हुआ समझौता

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को उमर अब्दुल्ला ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा, जहां दोनों पक्षों ने सभी लंबित कानूनी विवाद समाप्त करने और आपसी सहमति से सम्मानजनक ढंग से अलग होने का निर्णय लिया। अब सुप्रीम कोर्ट समझौते की शर्तों के अनुरूप अंतिम आदेश जारी कर इस लंबे समय से लंबित वैवाहिक विवाद का औपचारिक रूप से पटाक्षेप करेगा।

अंकित शर्मा ...

इसके बाद उनके पिता रविंद्र कुमार ने ताहिर हुसैन सहित अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था।

जांच में पुलिस ने पेश किए कई साक्ष्य

दिल्ली पुलिस की जांच के अनुसार हिंसा के दौरान ताहिर हुसैन का मकान कथित रूप से दंगाइयों का मुख्य ठिकाना बना हुआ था। पुलिस ने दावा किया कि तलाशी के दौरान मकान की छत से बड़ी मात्रा में पत्थर, पेट्रोल बम बनाने की सामग्री, एसिड के पैकेट, गुलेल तथा अन्य सामान बरामद हुआ। जांच एजेंसियों ने अदालत में प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), मोबाइल लोकेशन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी प्रस्तुत किए। अभियोजन पक्ष ने इन्हें घटनास्थल पर उपस्थिति तथा कथित साजिश से जोड़ते हुए अदालत के समक्ष रखा।

अंकित शर्मा के पिता रविंद्र कुमार ने एफआईआर में आरोप लगाया था कि ताहिर हुसैन के मकान से लगातार पथराव, पेट्रोल बम और गोलीबारी की जा रही थी तथा इसी हिंसा के दौरान उनके पुत्र की हत्या हुई। पुलिस ने आरोपपत्र में दावा किया कि अंकित शर्मा को भीड़ ने घेरकर उनकी हत्या की और बाद में शव नाले में फेंक दिया गया।

छह वर्षों तक चला मुकदमा

दिल्ली पुलिस ने जून 2020 में इस मामले में आरोपपत्र दाखिल किया था। वर्ष 2021 और 2022 के दौरान प्रत्यक्षदर्शियों, पुलिस अधिकारियों तथा फॉरेंसिक विशेषज्ञों के बयान दर्ज किए गए। 23 मार्च 2023 को अदालत ने ताहिर हुसैन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ हत्या, दंगा, आपराधिक साजिश और अन्य धाराओं में आरोप तय किए। इसके बाद 2023 से 2025 के बीच अभियोजन और बचाव पक्ष की दलीलें तथा गवाहों के बयान दर्ज किए गए। 13 जुलाई 2026 को अदालत ने ताहिर हुसैन और अन्य आरोपियों को दोषी करार देते हुए माना कि अभियोजन पक्ष आरोप सिद्ध करने में सफल रहा। इसके बाद 31 जुलाई 2026 को अदालत ने ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाकर मामले का पटाक्षेप कर दिया।

पाक ड्रोन...

जवानों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे मार गिराया।

प्रारंभिक जांच में बरामद ड्रोन चीन निर्मित डीजेआई मैविक (डीजेआई मैविक) श्रृंखला के क्वाडकॉप्टर जैसा प्रतीत हो रहा है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाला कैमरा, जिम्बल तथा लेजर आधारित नेविगेशन प्रणाली लगी हुई है, जिससे स्पष्ट तस्वीरें और वीडियो रिकॉर्ड किए जा सकते हैं।

मेमोरी कार्ड में मिले संवेदनशील सैन्य ठिकानों के फुटेज

बरामद 64 जीबी लेक्सर माइक्रो एसडी कार्ड की जांच में नियंत्रण रेखा के निकट भारतीय सेना के बंकरों, सैन्य ठिकानों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों के फोटो और वीडियो मिलने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच के आधार पर सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ड्रोन का इस्तेमाल कथित रूप से सैन्य गतिविधियों की निगरानी और खुफिया जानकारी एकत्र करने के उद्देश्य से किया जा रहा था।

सीमा पर बढ़ रहा है ड्रोन के जरिए घुसपैठ और निगरानी का खतरा

पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के इस्तेमाल की घटनाओं में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। पहले इनका उपयोग मुख्य रूप से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए किया जाता था, लेकिन अब इनका इस्तेमाल कथित रूप से निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के लिए भी किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी तकनीक से लैस अपेक्षाकृत सस्ते ड्रोन को संशोधित कर सीमा पार भेजना आसान हो गया है। ये ड्रोन कम ऊंचाई पर उड़ते हैं, जिससे कई बार पारंपरिक रडार प्रणालियों के लिए इनका पता लगाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। हालांकि भारतीय सेना ने एंटी-ड्रोन प्रणाली और आधुनिक निगरानी तंत्र की मदद से ऐसे अनेक प्रयासों को विफल किया है।

फॉरेंसिक जांच से खुलेंगे कई अहम राज

बरामद ड्रोन और माइक्रो एसडी कार्ड को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इससे ड्रोन के उड़ान मार्ग, नियंत्रण स्रोत तथा एकत्र की गई सूचनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में गश्त, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए एंटी-ड्रोन तकनीक, जैमिंग सिस्टम तथा स्थानीय स्तर पर निगरानी तंत्र को और अधिक सशक्त करने की आवश्यकता है। भारत इस दिशा में स्वदेशी एंटी-ड्रोन प्रणालियों के विकास पर लगातार कार्य कर रहा है, जो भविष्य में ऐसी चुनौतियों से निपटने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

कुलगाम में ....

गोलीबारी के तुरंत बाद दोनों घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने 24 वर्षीय दीपक रात्रे, पुत्र उमाशंकर रात्रे, निवासी छत्तीसगढ़, को मृत घोषित कर दिया।

घायल मजदूर को जीएमसी अनंतनाग किया गया रेफर

हमले में घायल 28 वर्षीय भोपिंदर, पुत्र दशरथ, निवासी छत्तीसगढ़, की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जीएमसी अनंतनाग रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हमला शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने क्षेत्र में तीन से चार राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनने की बात कही है।

सुरक्षा बलों ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और इलाके में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

उपराज्यपाल ने की हमले की कड़ी निंदा

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात तथा वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों से बातचीत की।

उपराज्यपाल ने सुरक्षा बलों को आतंकियों के खिलाफ अभियान तेज करने और हमलावरों को शीघ्र निष्क्रिय करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बल पूरी मुस्तैदी के साथ अभियान चला रहे हैं।

पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है पूरा देश

मनोज सिन्हा ने मृतक के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायल मजदूर के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन और पूरा देश इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

जय किसान...

सरकार के अनुसार अब तक 23 किस्तों के माध्यम से किसानों के खातों में 4.47 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। केवल 23वीं किस्त में ही 9.49 करोड़ से अधिक किसानों को 18,984 करोड़ रुपये का लाभ मिला। कोविड-19 महामारी के दौरान किसानों को 1.71 लाख करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई, जबकि महिला किसानों को अब तक 1.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि मिली है।

नीति आयोग की डीएमईओ रिपोर्ट के अनुसार, 92 प्रतिशत किसानों ने इस सहायता राशि का उपयोग कृषि निवेश में किया, जबकि 85 प्रतिशत किसानों ने माना कि इससे उनकी आय बढ़ी और अनौपचारिक कर्ज पर निर्भरता कम हुई है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में योजना के तहत करीब 3.10 लाख करोड़ रुपये किसानों को दिए गए हैं और सरकार इसे आगे भी जारी रखेगी।

खिलाड़ियों के लिए खेलो इंडिया योजना का विस्तार

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खेलो इंडिया योजना और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को दी जाने वाली सहायता का विस्तार वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक करने को भी मंजूरी दी है। इसके लिए 36,441 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछली अवधि की तुलना में लगभग आठ गुना अधिक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे देशभर के युवा खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और अपनी प्रतिभा निखारने के अधिक अवसर मिलेंगे।

सरकार का मानना है कि यह योजना गांवों और स्कूलों से लेकर ओलंपिक स्तर तक खिलाड़ियों के लिए मजबूत आधार तैयार करेगी तथा वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और भविष्य में संभावित ओलंपिक मेजबानी की तैयारियों को भी मजबूती देगी।

प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना को भी मिली मंजूरी

मंत्रिमंडल ने 5,070 करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना (पीएम-एसएसवाई) को भी स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के तहत 5,000 मेगावाट फ्लोटिंग सौर ऊर्जा क्षमता तथा 10,000 मेगावाट-घंटे ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की जाएगी।

परियोजनाओं को प्रति मेगावाट एक करोड़ रुपये तक की केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार का कहना है कि इस योजना से जलाशयों का बेहतर उपयोग होगा, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा, प्रतिवर्ष लगभग एक करोड़ टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी तथा हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिंदी शुभ लाभ शनिवार, 01 अगस्त, 2026 हैदराबाद

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से
जुड़ी कोई भी समस्या
का समाधान इस
मो. 8688868345 से पाएं।

राउंड टेबल इंडिया एवं लेडीज़ सर्किल इंडिया की सेवा पहल से 600 से अधिक जरूरतमंदों के जीवन में आई मुस्कान

4 लाख से अधिक की जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से भोजन, सहयोग एवं सामाजिक सरोकारों का दिया संदेश

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राउंड टेबल इंडिया (आरटीआई) एवं लेडीज़ सर्किल इंडिया (एलसीआई) ने सामाजिक उत्तरदायित्व के अपने संकल्प को एक बार फिर सार्थक करते हुए विभिन्न जनसेवा गतिविधियों के माध्यम से 600 से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई। इन कल्याणकारी अभियानों पर 4 लाख से अधिक की राशि व्यय की गई, जो दोनों संगठनों की सेवा, समर्पण एवं मानवता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इन सेवा अभियानों के अंतर्गत जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण, अनाथ एवं बालिका गृहों में विशेष भोजन व्यवस्था, दैनिक मजदूरों, बेसहारा एवं वंचित वर्ग के लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराने सहित अनेक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बालिका गृह में मनाया जन्मदिवस, बच्चों के साथ बांटी खुशियां

सेवा कार्यों के तहत ब्लू फाउंडेशन होम फॉर गर्ल्स में बच्चों के साथ जन्मदिवस मनाकर उन्हें पौष्टिक भोजन एवं आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया गया।

इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर आयोजित अन्न सेवा कार्यक्रमों के माध्यम से सैकड़ों जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराया गया।

स्वयंसेवकों ने निभाई सक्रिय भूमिका

राउंड टेबल इंडिया एवं लेडीज़ सर्किल इंडिया के सदस्यों ने स्वयं उपस्थित रहकर सभी सेवा गतिविधियों को सफल बनाया। स्वयंसेवकों के समर्पण, संवेदनशीलता एवं सक्रिय सहभागिता ने यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के लिए रहेगा सेवा अभियान जारी

600 से अधिक लाभार्थियों तक पहुंची इन जनसेवा पहलों में 4 लाख से अधिक का योगदान राउंड टेबल इंडिया एवं लेडीज़ सर्किल इंडिया द्वारा किया गया। दोनों संगठनों ने भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में इसी प्रकार जनहित के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

''अपनाएं '' ढलें '' सुधारें'' के अपने मूल मंत्र के साथ राउंड टेबल इंडिया एवं लेडीज़ सर्किल इंडिया समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने तथा संवेदनशील, समावेशी एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

अग्रवाल समाज की निःशुल्क श्रीशैलम तीर्थ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू

भजन गायक राजू मुरारी दाहिमा की भजन संध्या रहेगी विशेष आकर्षण

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अपने सामाजिक एवं आध्यात्मिक प्रकल्प ''तीर्थ संकल्प – सावन की ओर'' के अंतर्गत 11 एवं 12 अगस्त 2026 को भगवान श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग एवं माता भ्रमराम्बा देवी के पावन धाम श्रीशैलम की निःशुल्क तीर्थ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक यात्रा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य सावन मास के पावन अवसर पर समाज के सदस्यों को भगवान शिव के दर्शन, आध्यात्मिक साधना एवं सामूहिक भक्ति का अनुपम अवसर उपलब्ध कराना है।

राजू मुरारी दाहिमा की भजन संध्या बनेगी मुख्य आकर्षण

यात्रा के दौरान 11 अगस्त 2026 को रात्रि 7:31 बजे श्रीशैलम में सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री राजू मुरारी दाहिमा अपनी मधुर एवं भक्तिमय प्रस्तुतियों से भजन संध्या को भक्तिमय बनाएंगे। भगवान भोलेनाथ की पावन नगरी में आयोजित यह विशेष भजन संध्या यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगी, जिसमें अग्रवाल समाज तेलंगाना के सदस्य सामूहिक रूप से शिव आराधना एवं भक्ति रस का आनंद लेंगे।

समाज ने बताया कि यात्रा हेतु पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रत्येक शाखा अपने सदस्यों अथवा पदाधिकारियों में से अधिकतम सात प्रतिभागियों के नाम निर्धारित पंजीकरण प्रपत्र के माध्यम से केंद्रीय कार्यालय में भेज सकती है।

आवेदन के साथ–

प्रतिभागी के आधार कार्ड की प्रति।

अग्रवाल समाज तेलंगाना प्रिविलेज कार्ड की प्रति।

हाल का एक पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो संलग्न करना अनिवार्य होगा।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 4 अगस्त 2026 सायं 4:00 बजे निर्धारित की गई है। अधूरे आवेदन अथवा आवश्यक दस्तावेजों के बिना प्राप्त प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

समाज द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यह यात्रा पूर्णतः निःशुल्क होगी। केवल सदस्यता शुल्क जमा करने वाले सदस्य ही यात्रा के पात्र होंगे। प्रत्येक परिवार से अधिकतम तीन सदस्य आवेदन कर सकेंगे तथा प्रत्येक शाखा से अधिकतम सात प्रतिभागियों के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

यात्रा में सीटों का आवंटन 'प्रथम आओ, प्रथम पाओ' के आधार पर किया जाएगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने सभी शाखाओं से अनुरोध किया है कि वे ऐसे पात्र सदस्यों को प्राथमिकता दें, जिन्हें पूर्व में आयोजित जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा में भाग लेने का अवसर नहीं मिला था, ताकि अधिक से अधिक सदस्य इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा का लाभ प्राप्त कर सकें।

अधिक जानकारी एवं पंजीकरण के लिए इच्छुक सदस्य 9281866900 एवं 9281866901 पर कार्यालय समय प्रातः 11:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

सिखवाल प्रगति समाज द्वारा शोभा यात्रा का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज हैदराबाद द्वारा ऋषि श्रृंग भवन में ऋषि श्रंग जयंती पर आयोजित शोभा यात्रा के भव्य स्वागत के लिए पधारे बंधुओं के लिए शीतलपेय व अल्पहार की व्यवस्था की गई। अध्यक्ष नंदकिशोर व्यास व पदाधिकारीगणों ने भगवान की पूजा-अर्चना की। अज्जु गुरु ने आरती की। इस अवसर पर नंदकिशोर व्यास, मोतीलाल तिवारी, रामदेव नागला, महेंद्र व्यास, महेश तिवारी, विष्णु गोपाल तिवारी, अनिल जायलवाल, विजय कुमार उपाध्याय बिराठीया, अनिल तिवाड़ी, संदीप जायलवाल, मुरलीधर तिवाडी, राजेश्वरलाल जोशी, प्रभुदयाल पांडिया, विजय शर्मा, रामानुज ओझा, गोपाल कृष्ण तिवाडी, मीनाक्षी सिखवाल, शीला पांडिया व अन्य समाज बंधु उपस्थित थे।

विधायक ने मार्गदर्शिनी सोसायटी का किया दौरा

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद कैंटोनमेंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री गणेश ने रसूलपुरा स्थित मार्गदर्शिनी सोसायटी का दौरा कर समिति पदाधिकारियों एवं सोसायटी के निवासियों से मुलाकात की तथा परिसर का निरीक्षण किया।

रमेश पी. तातेड जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस दौरान सोसायटी की प्रमुख समस्याओं से विधायक को अवगत कराया गया। इनमें प्रदूषित एवं अनियमित पेयजल आपूर्ति, सड़कों की मरम्मत एवं विकास, गार्डन का सौंदर्यीकरण तथा टाटा ऐस एवं अन्य व्यावसायिक वाहनों के कारण उत्पन्न पार्किंग समस्या प्रमुख रूप से शामिल थीं।

मार्गदर्शिनी सोसायटी समिति की ओर से विधायक श्री नारायण श्री गणेश का साफा, तिलक एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति ने विभिन्न जनसमस्याओं से संबंधित एक ज्ञापन भी उन्हें सौंपा।

विधायक श्री गणेश ने समिति एवं स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर उनका शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों को मूलभूत नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर मार्गदर्शिनी सोसायटी के अध्यक्ष मुकेश कटारिया, सचिव अविनाश भंडारी, कोषाध्यक्ष मनोज भोर्डतरिया, रामसिंह चौहान, अजीत दोषी, राजू अग्रवाल, श्याम प्रसाद अग्रवाल, देशरत्न गोयल, प्रमोद भाई, मूंदड़ाजी, राकेश सुराना, बाबूलाल परमार, हितेश सांचौर, रमेश पी. तातेड, राजू नागौरी, जिन्ने तातेड सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने विधायक श्री नारायण श्री गणेश का आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूज्य आचार्य श्री विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहब से श्री जगद्गुरु हीरसूरी वाटिका एग्जिबीशन ग्राउंड में दर्शन वंदन कर आशीर्वाद लेते हुए स्वरुपचंद पारख, जयंतीलाल बंदामुथा, ओम सोलंकी, मुकेश जैन चौहान एवं अन्य।

सिखवाल ब्राह्मण समाज के धाकड़ी परिवार ने ऋषि श्रृंग जयंती के अवसर पर शोभायात्रा के स्वागतार्थ बेगम बाजार के सेंट्रल बैंक के पास भव्य पंडाल की व्यवस्था की। पंडाल में गुरु महाराज की पूजा-अर्चना की गई और पधारे भक्तों को गांव के सदस्यों ड्रा पेय पदार्थ एवं प्रसाद वितरित किया गया। मंच पर गांव के नागला तिवारी, उपाध्याय, व्यास और तुकार तिवारी परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ ने ऋषि श्रृंग शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना एवं महिला प्रकोष्ठ ने ऋषि श्रृंग जन्मोत्सव के अवसर पर महाराज जी की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत आयोजित किया।

बेगम बाजार पोस्ट ऑफिस के पास एवं सिकंदराबाद की कुर्मा बस्ती में भव्य पंडाल लगाया गया, जहां मंच पर टीकम चंद संध्या जोशी, मुरलीधर संध्या व्यास एवं रूपचंद प्रेमलता व्यास मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित थे।

गुरु महाराज की पूजा-अर्चना और पुष्प वर्षा

मुख्य यजमानों द्वारा गुरु महाराज की पूजा अर्चना की गई और शोभा यात्रा के दौरान पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर मंच पर राजनेता और सामाजिक कार्यकर्ताओं जैसे शंकर यादव, गोविंद नारायण राठी, अविनाश देवड़ा, लड्डू यादव, दुर्गा शर्मा, आशा राजपूत, मीनाक्षी सिखवाल, वल्लभ उपाध्याय, सुधीर तिवारी (गुल्लू महाराज), चेतन तिवारी समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनका शाल, माला से स्वागत किया गया।

भविष्य की अध्यक्षा रेखा उपाध्याय को जन्मदिन की बधाई

कार्यक्रम के दौरान प्रकोष्ठ की भावी अध्यक्षा रेखा उपाध्याय जैतारण के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और मुंह मीठा कराया।

प्रकोष्ठ के सदस्यों और महिलाओं का जोरदार साथ

कार्यक्रम में रामदेव नागला, रामेश्वर उपाध्याय, नरेश पांडे, नटवर लाल व्यास, संदीप जायलवाल, मनोहर नागला, भागीरथ पांडे, जगदीश शर्मा कोलरिया, कमल किशोर पांडे, नीतेश व्यास, उषा खरतावत, अर्चना ओझा, शीला पांडे, जानकी व्यास, जमुना उपाध्याय, संगीता पांडे, संतोष व्यास, संध्या पांडे सहित बड़ी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित थे। प्रकोष्ठ ने पधारे सभी का आभार व्यक्त किया।

वर्दी पर दाग या व्यवस्था की सख्ती ?

तेलंगाना पुलिस के हाई-प्रोफाइल मामलों ने उठाए गंभीर सवाल

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 30 जुलाई

पुलिस को लोकतंत्र का सबसे मजबूत स्तंभ माना जाता है। संविधान और कानून ने पुलिस को इसलिए अधिकार दिए हैं ताकि वह अपराधियों पर नकेल कस सके, पीड़ितों को न्याय दिला सके और समाज में कानून का राज कायम रख सके। लेकिन जब वही पुलिस विभाग बार-बार अपने ही अधिकारियों पर लगे गंभीर आरोपों, विभागीय जांच, निलंबन और न्यायिक कार्रवाई के कारण सुर्खियों में आने लगे, तो यह केवल कुछ व्यक्तियों की गलती भर नहीं रह जाती, बल्कि पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग जाता है।

पिछले कुछ महीनों में तेलंगाना पुलिस से जुड़े कई हाई-प्रोफाइल मामलों ने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी का मामला, जुबली हिल्स के तत्कालीन सर्किल इंस्पेक्टर श्रीनिवासुलु रेड्डी पर लगे आरोप, मलकपेट के पुलिस अधिकारी से जुड़ा विवाद तथा खम्मम में सामने आए पुलिस आचरण से जुड़े मामलेइन सभी घटनाओं ने पुलिस विभाग की कार्यशैली, अनुशासन और जवाबदेही पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

सबसे चर्चित मामला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी का रहा। एक महिला ट्रेनी आईपीएस अधिकारी की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। जांच के दौरान आरोपी अधिकारी को हिरासत में लिया गया और बाद में न्यायिक हिरासत में भेजा गया। मेडिकल रिपोर्ट, डिजिटल साक्ष्य और अन्य तथ्यों की जांच ने इस मामले को राष्ट्रीय स्तर तक चर्चा का विषय बना दिया। यह मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है और अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा ही किया जाएगा।

दूसरी ओर, जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के तत्कालीन सीआई श्रीनिवासुलु रेड्डी पर भी गंभीर आरोप लगे। विभागीय जांच के बाद उन्हें निलंबित किया गया। आरोप था कि उन्होंने अपने पद का कथित दुरुपयोग किया। इससे पहले मलकपेट के एक पुलिस निरीक्षक के खिलाफ भी महिला से जुड़े आरोपों के बाद विभागीय कार्रवाई हुई। वहीं खम्मम जिले में भी पुलिस अधिकारियों के आचरण को लेकर उठे विवादों ने विभाग की छवि को प्रभावित किया। यह सभी मामले अलग-अलग प्रकृति के हैं, लेकिन इनका एक साझा संदेश हैअब पुलिस अधिकारियों पर भी कानून का शिकंजा पहले की तुलना में अधिक कसता दिखाई दे रहा है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है कि चाहे आरोपी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, जांच और कानून की प्रक्रिया उसके लिए भी समान रूप से लागू हो रही है।

लेकिन इसी के साथ कई गंभीर प्रश्न भी सामने आते

हैं। क्या विभागीय निगरानी पहले कमजोर थी, इसलिए ऐसी घटनाएं बढ़ीं ? या अब शिकायतों पर अधिक पारदर्शिता और सख्ती से कार्रवाई होने लगी है? क्या पुलिस प्रशिक्षण में नैतिकता, महिला सुरक्षा, पेशेवर आचरण और जवाबदेही को और मजबूत करने की आवश्यकता है ? इन सवालों पर गंभीर मंथन होना चाहिए। यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी भी आरोपी अधिकारी को दोषी मान लेने की जल्दबाजी न की जाए। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है कि जब तक न्यायालय दोष सिद्ध नहीं करता, तब तक कोई भी व्यक्ति कानून की नजर में निर्दोष माना जाता है। इसलिए निष्पक्ष जांच और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान हर परिस्थिति में होना चाहिए।

क्या केवल निलंबन ही समाधान है ?

हर बड़े मामले के बाद निलंबन, विभागीय जांच और गिरफ्तारी की खबरें सामने आती हैं। लेकिन क्या केवल कार्रवाई कर देना ही पर्याप्त है? यदि व्यवस्था में कमियां बनी रहेंगी तो भविष्य में ऐसे मामले फिर सामने आएंगे। इसलिए केवल दंड नहीं, बल्कि संस्थागत सुधार भी उतने ही आवश्यक हैं।

पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में आचार संहिता, लैंगिक संवेदनशीलता, मानवाधिकार, मानसिक स्वास्थ्य और पेशेवर नैतिकता पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। विभागीय निगरानी को तकनीक आधारित बनाया जाए, शिकायतों की स्वतंत्र जांच हो और दोषी पाए जाने वालों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनता का भरोसा सबसे बड़ी पूंजी

पुलिस की सबसे बड़ी ताकत उसकी वर्दी या उसके अधिकार नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है। यदि आम नागरिक पुलिस थाने में जाने से डरने लगे या निष्पक्ष जांच पर संदेह करने लगे, तो कानून का शासन कमजोर पड़ जाता है। इसलिए हर कार्रवाई केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी पारदर्शी और निष्पक्ष दिखाई देनी चाहिए।

यह भी याद रखना होगा कि तेलंगाना पुलिस में हजारों अधिकारी और कर्मचारी पूरी ईमानदारी, समर्पण और जोखिम के साथ 24 घंटे जनता की सेवा कर रहे हैं। कुछ व्यक्तियों पर लगे आरोपों के आधार पर पूरे पुलिस बल को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कुछ अधिकारियों की कथित गलतियां पूरे विभाग की वर्षों में अर्जित प्रतिष्ठा को धूमिल कर देती हैं।

वर्दी जनता की रक्षक होती है ....

वर्दी केवल अधिकार नहीं, जवाबदेही का सबसे बड़ा प्रतीक है। जब कानून के रक्षक ही कानून के कठघरे में खड़े दिखाई देते हैं, तो सबसे गहरी चोट किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि जनता के विश्वास पर पड़ती है।

आज जरूरत केवल दोषियों को सजा देने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जिसमें कोई भी अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करने का साहस ही न कर सके। कानून का भय अपराधियों के साथ-साथ वर्दी पहनने वालों में भी समान रूप से दिखाई देना चाहिए।

कानून की असली ताकत तब साबित होती है, जब वह आम नागरिक और वर्दीधारी अधिकारीदोनों पर समान रूप से लागू हो। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान और न्याय की सबसे मजबूत नींव है।

उदय कृष्णा रेड्डी मामला : अत्तापुर पुलिस ने जोड़ीं 2 और गंभीर धाराएँ

ट्रेनी खझड अधिकारी उदय कृष्णा रेड्डी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले से यौन उत्पीड़न, स्टॉकिंग और अन्य गंभीर आरोपों का सामना कर रहे आरोपी के खिलाफ अब अत्तापुर पुलिस ने जांच के दौरान भारतीय न्याय संहिता (इछड) की दो और गंभीर धाराएँ जोड़ दी हैं। यह कदम जांच में सामने आए नए साक्ष्यों, पीड़िता के विस्तृत बयान और डिजिटल सबूतों के आधार पर उठाया गया है। पुलिस ने मामले में इछड की धारा 64(1) सहपठित धारा 63(b)(iii) तथा धारा 109 को शामिल किया है। इन धाराओं के जुड़ने से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि जांच अब पहले की तुलना में अधिक गंभीर दिशा में बढ़ रही है। इससे अभियोजन पक्ष की कानूनी स्थिति भी मजबूत होने की संभावना मानी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसियां मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, संदेशों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की गहन फॉरेंसिक जांच कर रही हैं। यदि इन साक्ष्यों से आरोपों की पुष्टि होती है तो आरोपी के खिलाफ अदालत में और भी मजबूत चार्जशीट पेश की जा सकती है।

उदय कृष्णा रेड्डी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और यदि आगे नए तथ्य सामने आते हैं तो आवश्यकतानुसार अन्य धाराएँ भी जोड़ी जा सकती हैं ।

बेगम बाजार संपत्ति मालिकों ने सड़क चौड़ीकरण का विरोध किया, सीएम को ज्ञापन सौंपने का निर्णय

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाजार के संपत्ति मालिकों ने बेगम बाजार में बैठक की और विस्तृत चर्चा के बाद तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री, हैदराबाद कलेक्टर, जीएचएमसी आयुक्त तथा जीएचएमसी भूमि अधिग्रहण अधिकारी को अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का निर्णय लिया। यह अभ्यावेदन राजनीतिक दबाव में कानून का पालन किए बिना जबरन सड़क चौड़ीकरण के संबंध में है, जिससे निवासियों और व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है, जिनकी चौथी पीढ़ी को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा बेगम बाजार निजाम युग का विरासत बाजार है।

100 फीट सड़क चौड़ीकरण की कोई आवश्यकता नहीं

भुलाक्ष्मी मंदिर से एमजे मार्केट के बीच इस सड़क पर कोई भारी वाहन या बसें नहीं चलतीं, इसलिए विशेष रूप से 100 फीट का सड़क चौड़ीकरण पूरी तरह अनावश्यक है। सरकार फुटपाथ पर अतिक्रमण हटा सकती है, जिससे सड़कों पर ट्रैफिक जाम कम होगा। सरकार पार्किंग कॉम्प्लेक्स की योजना बना सकती है, जिससे सड़कों पर खड़े वाहनों के कारण होने वाला ट्रैफिक जाम कम हो सके।

अफजलगंज से पुरानापूल रोड की ओर जाने वाली सड़क, जिस पर भारी वाहन और बसें चलती हैं, 80 फीट चौड़ी है। सड़क चौड़ीकरण अनावश्यक है और इसे राजनीतिक दबाव में चौथी पीढ़ी के व्यापारिक समुदाय पर जबरन थोपा जा रहा है।

जीएचएमसी के नोटिस अवैध, भूमि अधिग्रहण अधिनियम का पालन जरूरी

जीएचएमसी द्वारा जारी नोटिस अवैध और शून्य हैं। सरकार को कानून का पालन करना होगा, पर्यावरण पर प्रभाव का आकलन करना अनिवार्य है तथा जन सुनवाई करनी होगी। यह भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 के अनुसार अनिवार्य प्रावधान है, जो संपत्ति मालिकों के अधिकारों की रक्षा करता है और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को पहले पुनर्वास करने का आदेश देता है, क्योंकि कम से कम 2000 परिवारों की आजीविका प्रभावित होती है। प्रस्तावित अधिग्रहण वाली भूमि के लिए पर्याप्त नकद मुआवजा देना होगा तथा सरकार से कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

बैठक में डॉ. संदीप साबू, रामस्वरूप अग्रवाल, शरद मुंदड़ा, अनु भाटी, हेमंत गोठी, गोपाल बजाज, कृष्णा काबरा, रंगनाथ काबरा, बालमुकुंद यादव, सज्जनलाल यादव, राम यादव, प्रम यादव, संजय राठी, जेआर अगस्त्य, बृजराज अटल, श्याम झावर, प्रकाश संकला, सागर अटल, गोपाल अटल, केडी दिनेश, शरद वर्मा, लक्ष्य वर्मा, बीना वर्मा, दामोदर व्यास, सुरेश व्यास, श्रीधर राव रिलायंस, दीपक गुजराती, केशव जोशी, नितेश व्यास, अनिल जैन, कमलेश परिहार, संजीव जैन, गोपाल लाखोटिया, बृज जोशी, प्रमोद जैन, करण नगला शामिल थे।

चाखनावाड़ी बोनाल महोत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के गोशामहल डिवीजन अंतर्गत चंदनवाड़ी एवं चाखनावाड़ी क्षेत्र में आगामी 5 अगस्त को आयोजित होने वाले बोनाल महोत्सव की तैयारियों का शुक्रवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा स्थानीय बस्तीवासियों के साथ पदयात्रा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान वॉटर वर्क्स विभाग, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), विद्युत विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बोनाल महोत्सव से पूर्व सभी आवश्यक कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को क्षेत्र में अस्थायी प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल चालू कराने, सड़कों पर जमा मलबा, मिट्टी एवं कचरे की पूरी तरह सफाई कराने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों के गड्ढों का पैचवर्क कर आवागमन सुगम बनाने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक सभी नागरिक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया गया।

सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि 5 अगस्त से पूर्व सभी आवश्यक कार्य पूर्ण कर लिए जाएंगे, जिससे चाखनावाड़ी क्षेत्र में आयोजित होने वाला बोनाल महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान अभियान बना प्रेरणा : प्रवीण विजयवर्गीय

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रवीण विजयवर्गीय ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने सेवा का जो मार्ग अपनाया है, वह वास्तव में समाज के लिए अत्यंत हितकारी और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना गया है और जो व्यक्ति भूखे को भोजन कराता है, वह सच्चे अर्थों में मानवता की सेवा करता है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से अन्नदान कर समाज में सेवा, सद्भाव और करुणा का संदेश दे रहा है। उन्होंने कहा कि इस पावन सेवा अभियान से जुड़ना उनका सौभाग्य है और यह सब राधारानी की असीम कृपा से ही संभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे सेवा कार्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है। जब समाज के सक्षम लोग आगे बढ़कर जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, तब सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाएं मजबूत होती हैं। राधे-राधे ग्रुप का यह सतत सेवा अभियान अनेक लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, अनिल धरशुवाले अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, रेनू शर्मा, स्वाति अग्रवाल तथा प्रवीण विजयवर्गीय सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई। सभी ने नियमित अन्नदान जैसे पुण्य कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक लोगों से इस सेवा अभियान में जुड़कर मानवता की सेवा करने का आह्वान किया।

सेवानिवृत्ति पर जिला पशु चिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी डॉ. एम. प्रवीण कुमार का सम्मान

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद जिले के जिला पशु चिकित्सा एवं पशुपालन अधिकारी डॉ. एम. प्रवीण कुमार को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भारतीय प्राणी मित्र संघ द्वारा सम्मानित किया गया।यह सम्मान समारोह डी.वी.ए.एच.ओ कार्यालय, सीताराम बाग, हैदराबाद में आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम में भारतीय प्राणी मित्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जसराज श्रीश्रीमाल जी और प्राणी मित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के सचिव एवं लव फॉर काउ फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री रिद्धिश जागीरदार जी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री रिद्धिश जागीरदार ने कहा कि हैदराबाद जिले में पशु कल्याण और पशु चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए डॉ. प्रवीण कुमार की समर्पित सेवाएं और सराहनीय प्रयास अतुलनीय हैं। उन्होंने वर्षों से पशुपालन के क्षेत्र में डॉ. कुमार के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की और उनके स्वस्थ, सुखी एवं शांतिपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। इस अवसर पर डॉ. एम. प्रवीण कुमार, उप निदेशक एवं डी.वी.ए.एच.ओ, हैदराबाद ने कहा: ''पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग में 33 वर्षों तक सेवा करना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात रही है। आपका समर्थन, विश्वास और प्रोत्साहन मेरे सेवा काल को वास्तव में सार्थक बनाता रहा। यादों, मित्रताओं और अटूट सहयोग के लिए धन्यवाद। इस अवसर पर नवनियुक्त डी.वी.ए.एच.ओ एवं उप निदेशक डॉ. मजीद, डॉ. संजीव राव, डॉ. विजयानंद गौड एवं विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारतीय सेना के जवान कमलेश कुमार यादव को मिला 'कम्युनिटी सपोर्ट अवार्ड'

-बीह्यूमन्स वेल्फेयर फाउंडेशन ने समाजसेवा और मानव कल्याण में उल्लेखनीय योगदान के लिए किया सम्मानित

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाजसेवा, मानवता और जरूरतमंदों की निस्वार्थ सहायता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भारतीय सेना के जवान कमलेश कुमार यादव 'रघुकुला' को बीह्यूमन्स वेल्फेयर फाउंडेशन की ओर से प्रतिष्ठित 'कम्युनिटी सपोर्ट अवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कमलेश कुमार यादव वर्तमान में भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। झारखंड के युवाओं के बीच वे एक लोकप्रिय एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में पहचान रखते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी मजबूत उपस्थिति है और उनके लाखों प्रशंसक एवं अनुयायी हैं। सेना में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ-साथ वे समाजसेवा, मानव कल्याण तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। उनके इसी समर्पण और उत्कृष्ट सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया।

आयोजित सम्मान समारोह में बीह्यूमन्स वेल्फेयर फाउंडेशन की निदेशक माधुरी गजानन बिडकर, गौरव गजानन बिडकर, गिरीश गजानन बिडकर, फाउंडेशन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गजानन गंगाधरराव बिडकर तथा जयंत शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर फाउंडेशन के संस्थापक एवं सीईओ गजानन गंगाधरराव बिडकर ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले एक वीर सैनिक को समाजसेवा के लिए सम्मानित करना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि कमलेश कुमार यादव जैसे युवा सैनिक समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और उन्हें विश्वास है कि वे भविष्य में भी राष्ट्रसेवा के साथ-साथ मानव सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने कमलेश कुमार यादव 'रघुकुला' को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए मानवता की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहने का आह्वान किया।

हिन्दी विभाग ने मनाई प्रेमचंद जयंती

हैदराबाद, 31 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो संजीव जैन जी की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष प्रो भारत भूषण, कार्यक्रम के संयोजक डॉ शशिकांत मिश्र, प्राध्यापक डॉ रत्नेश कुमार यादव, डॉ वंदना शर्मा एवं डॉ अनिता देवी ने प्रेमचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में प्रेमचंद जी का हिदी साहित्य संसार की श्रीवृद्धि में विशेष योगदानों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि प्रेमचं जी का जीवन एक खुली किताब है, जिससे हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम संयोजक डॉ शशिकांत मिश्र ने कहा कि साहित्य मनीषी प्रेमचंदजी की कलम ने लोगों की चेतना को झकझोर दिया है। तत्कालीन समय से लेकर वर्तमान तक हिन्दी साहित्य संसार में प्रेमचंद जी की सृजनशीलता ने एक नई क्रांति खड़ा कर दी है।

प्रेमचंद एक ऐसे कालजयी रचनाकार हैं, जिनकी कलम से प्रेरित होकर कई युवाओं ने आदर्शात्मक रचनाएँ रची हैं। तत्-पश्चात शोधार्थी हर्षित तिवारी ने प्रेमचंद जी के साहित्य की अदर्शात्मक पक्ष की समीक्षा प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी शोधार्थी एवं विद्यार्थियों ने प्रेमचंद जी के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.